हरिभूमि
जींद-कैथल भूमि
रोहतक, रविवार, 24 अगस्त 2025

तापमान
अधिकतम 31.0 डिग्री
न्यूनतम 26.0 डिग्री

10 हरियाली अमावस्या पर भक्तों ने किया पिंडदान

10 दादी रानी सती मंदिर में हजारों ने की पूजा अर्चना

खबर संक्षेप

धोखाधड़ी कर साढ़े 14 लाख हड़पने का आरोपित दबोचा

जींद। अलेवा थाना पुलिस ने गाड़ी की सौदेबाजी कर साढ़े 14 लाख रुपये हडपने के आरोपित को गिरफ्तार किया है। पुलिस आरोपित से पूछताछ कर रही है। डाहौला निवासी संदीप ने गत 15 मई को पुलिस को दी शिकायत में बताया था कि उसने गांव बडनपुर मोहाली पंजाब निवासी जसप्रीत से गत 25 जनवरी को टाटा फोरच्यूनर गाड़ी साढ़े 14 लाख रुपये में खरीदी थी।

उचाना में आज दो घंटे तक बंद रहेगी बिजली सप्लाई

जींद। उचाना कलां के पावर हाउस में मुरम्मत के काम के चलते बिजली सप्लाई सुबह आठ से 10 बजे तक बंद रहेगी। इसके चलते इस एरिया से जुड़े 11केवी फीडरों पर बिजली सप्लाई बाधित रहेगी। अधीक्षक अभियंता मदन लाल सुखीजा ने बताया कि 24 अगस्त रविवार को पिंडारा के 33केवी पावर हाउस पर भी बिजली सप्लाई सुबह 7 से 9 बजे तक बंद रहेगी।

टावर लगवाने का झांसा देकर हड़पे एक लाख दस

जींद। टावर लगाने का झांसा देकर एक लाख दस हजार रुपये हडपने पर साइबर थाना पुलिस ने अज्ञात लोगों के खिलाफ धोखाधड़ी का मामला दर्ज किया है। पुलिस मामले की जांच कर रही है। गांव दुर्जनपुर निवासी सतीश ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि गत नौ जून को उसकी पत्नी ने फेसबुक पर आए टावर मद्रास के लिंक को क्लिक कर दिया।

अवैध रूप से पटाखे रखने का आरोपित गिरफ्तार

कैथल। पुलिस प्रवक्ता ने बताया कि दमकल केंद्र ईंचार्ज नरेश कुमार व सीएम फ्लाईंग के एसआई विजेंद्र सिंह व सिविल लाइन थाना के एसआई पारस व टीम द्वारा एक गुप्त सूचना के आधार पर संयुक्त रूप से जनकपुरी कालोनी कैथल निवासी मनोज के मकान पर रेड करके निरीक्षण किया गया, जहां अंबेडकर नगर करनाल रोड़ कैथल निवासी गुरमीत हाजिर मिला था।

दो पिस्तौल तथा दो जिंदा कारतूस के साथ दो काबू

जींद। सीआइए स्टाफ ने अलग-अलग स्थानों से दो युवकों को काबू कर उनके कब्जे से दो पिस्तौल तथा दो जिंदा कारतूस बरामद किए हैं। संबंधित थाना पुलिस ने शिकायत के आधार पर दोनों युवकों के खिलाफ शस्त्र अधिनियम के तहत मामला दर्ज कर पूछताछ शुरू कर दी है। सीआईए स्टाफ को सूचना मिली थी कि नरवाना रोड बाइपास के निकट युवक अवैध असलहा के साथ खड़ा हुआ है।

हजवाना में बिजली टीम से की मारपीट, केस दर्ज

कैथल। गांव हजवाना में बिजली की टीम के साथ मारपीट करने और दुर्व्यवहार करने का मामला प्रकाश में आया है। बिजली निगम पुंडरी की एसडीओ सपना रानी ने पूंडरी पुलिस को दी शिकायत में बताया कि 22 अगस्त को निगम की टीम गांव हजवाना में जांच के लिए गई थी। आरोप है कि वहां पर ग्रामीण बलराज, आदि ने मिल कर्मचारियों के साथ ड्यूटी में बाधा पहुंचाई।

एटीएम कार्ड बदल लगाया 43 हजार रुपये का चूना

जींद। सफीदों एटीएम केबिन में रुपये निकलवाने गए व्यक्ति को बगल में खड़े युवक की सहायता लेना महंगा पड़ गया। युवक ने एटीएम कार्ड को बदल 43 हजार 300 रुपये का चूना लगा दिया। पुलिस ने शिकायत के आधार पर अज्ञात के खिलाफ धोखाधड़ी का मामला दर्ज किया है।

आंगनबाड़ी से सामान चोरी का आरोपी पकड़ा

कैथल। गांव खरका में आंगनबाड़ी से सामान चोरी के मामले की जांच चौकी रामथली पुलिस के एचसी बिजेंद्र सिंह की टीम ने आरोपी खरकां निवासी देशराज उर्फ देशा को काबू कर लिया । आंगनबाड़ी कार्यकर्ता के पद पर कार्यरत खरका निवासी ज्ञानो देवी की शिकायत पर मामला दर्ज किया था।

ग्राम पंचायत चौशाला ने प्राथमिक स्कूल के बच्चों के लिए प्रारंभ की ई-रिक्शा

विद्यार्थियों की संख्या में 50% तक इजाफा और विद्यालय में अनुशासन का किया जा रहा पालन

हरिभूमि न्यूज ▶▶| कैथल

गांव चौशाला के राजकीय प्राथमिक स्कूल में बच्चों की संख्या बढ़ाने को लेकर एक शानदार पहल ग्राम पंचायत द्वारा देखने को मिली है। अक्सर मां-बाप की ये शिकायत रहती है कि बगैर साधन के छोटे बच्चों को सरकारी स्कूल में कैसे भेजा जाए।

जब चौशाला की ग्राम पंचायत, स्कूल की एसएमसी कमेटी व स्कूल स्टॉफ के सामने ये समस्या आई तो उन्होंने ई-रिक्शा के रूप में इसका समाधान निकाला। यह ई- रिक्शा गांव के छोटे बच्चों को घर से स्कूल और स्कूल से घर पहुंचने का काम करती है। इसका परिणाम ये हुआ है कि अब सरकारी स्कूल में बच्चों की स्ट्रेंथ में भी बढ़ोतरी देखने को मिली तथा स्कूल का अनुशासन भी बढा है। बता दें कि वर्तमान में प्राथमिक स्कूल का जिम्मा हैड टीचर प्रदीप कुमार पर है। जैसे ही मिशन एडमिशन के तहत अध्यापक गांव में प्रचार के लिए गए तो अभिभावकों ने बताया कि स्कूल दूर होने के कारण उनके बच्चे पैदल स्कूल नहीं जा सकते तथा उनके पास बच्चों को स्कूल छोड़ने व वापस लाने का समय नहीं है। ऐसे में सभी अध्यापकों ने यह बात एसएमसी प्रधान सत्यवान, सरपंच उषा देवी, प्रतिनिधि दिलबाग सिंह के सामने रखी। सरपंच प्रतिनिधि दिलबाग सिंह ने पंचायत सदस्यों से बातचीत करते हुए इसका हल निकाला तथा बच्चों के लिए इ रिक्शा का प्रबंध किया। अब विद्यार्थी इ रिक्शा के माध्यम से स्कूल आते जाते हैं। इसमें स्कूल अध्यापक राजेश सहारण, प्रदीप कुमार, सुनील वर्मा, सुनील भाल, मुकेश, अशोक का भी सहयोग रहा।

सरपंच ऊषा देवी राजकीय स्कूल चौशाला में इ रिक्शा की शुरुआत करते।

सरकारी स्कूल का बढ़ा रूझान

हैड टीचर प्रदीप कुमार ने बताया कि ई-रिक्शा लगाने का असर बच्चों पर सरेआम देखने को मिल रहा है। बच्चे पूरी तरह से अनुशासन में समय पर स्कूल आते और जाते हैं। इससे छात्रों की संख्या में 50 % तक इजाफा हुआ है।

यूं रही स्कूल की उपलब्धि

चौशाला का राजकीय स्कूल अपनी विशेष पहचान बनाए हुए है। हाल ही में कैथल की डीसी द्वारा शुरू की गई बच्चों की 1 से 40 तक पहाडे याद करने में जिले के कुल 40 बच्चों में से 8 बच्चे इसी स्कूल के थे। इसके साथ ही स्कूल की छात्रा फैंसी ड्रेस में राज्य स्तरीय प्रतियोगिता में भाग ले चुकी है।

जींद। जनसमस्याएं सुनते डिप्टी स्पीकर। फोटो :हरिभूमि

जींदः डिप्टी स्पीकर ने जनता दरबार लगा सुनी समस्याएं

- डिप्टी स्पीकर ने स्व. पिता की याद में लगाया फ्री मेडिकल जांच कैंप

हरिभूमि न्यूज ▶▶| जींद

हरियाणा विधानसभा के डिप्टी स्पीकर डा. कृष्ण मिड्ढा ने शनिवार को अपने आवास पर जनता दरबार लगाकर आमजन की शिकायतों को सुना। इसमें बड़ी संख्या में लोग शिक्षा, पुलिस, स्वास्थ्य, नगर परिषद, पंचायतों तथा अन्य विभागों से संबंधित समस्याएं लेकर पहुंचे। डिप्टी स्पीकर डा. कृष्ण मिड्ढा ने अधिकतर मामलों में तत्काल अधिकारियों से फोन पर संपर्क कर मौके पर ही समाधान कर दिया। जिन समस्याओं का तुरंत निस्तारण संभव नहीं था, उन्हें उन्होंने अपने निजी स्टाफ को सौंपते हुए शीघ्र कार्रवाई के निर्देश दिए। डिप्टी स्पीकर ने कहा कि जनता दरबार उनके लिए जनता से सीधा संवाद स्थापित करने का सबसे प्रभावी माध्यम है। यहां आने वाला प्रत्येक नागरिक अपनी समस्या को सीधे उनके सामने रख सकता है और उसे समाधान का भरोसा मिलता है। उन्होंने कहा कि उनका स्पष्ट मानना है कि जनता की सेवा ही जनप्रतिनिधि का पहला कर्तव्य है और इसी भावना के साथ वे लगातार जनता के बीच जाकर कार्य कर रहे हैं। जनसमस्याओं के समाधान के लिए लगातार वर्ष 2014 से दरबार लगाए जा रहे हैं।

150 का स्वास्थ्य जांचा

डिप्टी स्पीकर डा. कृष्ण मिड्ढा के पिता पूर्व विधायक स्व. डा. हरिचंद मिड्ढा की याद में शनिवार को होटल बागबान में मुफ्त मेडिकल जांच कैंप का आयोजन किया गया। जींद हार्ट स्पेशलिस्ट अस्पताल, मां भारती सेवा सोसायट, मौज फकीरां दी, सिटी ऑनलाइन के सहयोग से आयोजित इस कैंप में मुख्यातिथि के रूप में जींद से भाजपा विधायक डिप्टी स्पीकर डा. कृष्ण मिड्ढा पहुंचे। कैंप में 150 से ज्यादा लोगों ने अपने स्वास्थ्य की जांच करवाई।। जिन्हें दवा की जरूरत थीए उन्हें मुफ्त में दवाई वितरित की तो वहीं कुछ मरीजों को शुगर मशीन और बीपी की मशीन भी वितरित की गई। मुख्यातिथि डा. कृष्ण मिड्ढा ने कहा कि उनके पिता स्व. हरिचंद मिड्ढा ने जीवन में एक ही उद्देश्य रखा था कि हर गरीब व वंचित की मदद करनी चाहिए। क्योंकि गरीब की मदद करने से भगवान भी खुश होते हैं।

सड़क हादसों को रोकने तथा सेफ ड्राइविंग की कवायद

पियक्कड़ वाहन चालकों पर कसा शिकंजा 80 पकड़े, 35 वाहन इंपाउंड, जुर्माना ठोका

दिन ढलने के साथ देर रात तक चलाया जा रहा पुलिस का विशेष अभियान

हरिभूमि न्यूज ▶▶| जींद

जिला यातायात पुलिस ने शराब पीकर वाहन चलाने वालों पर शिकंजा कसना शुरू कर दिया है। जिसके पीछे मुख्य उद्देश्य सेफ ड्राइविंग तथा सड़क हादसों में लोगों जान गंवाने से रोकना है। पुलिस ने देर शाम को चार घंटे विशेष अभियान चला कर ऐसे 80 बाइक सवार चालकों को काबू किया। जिसमें 35 वाहनों को इम्पाउंड किया गया और 45 चालकों के चलान काटने के साथ उन्हें चेतावनी भी दी गई।

सड़क हादसे रोकने तथा सेफ ड्राइविंग की कवायदः जिला यातायात पुलिस ने सेफ ड्राइविंग को लेकर रात को विशेष अभियान शुरू किया है। जो शाम को सात बजे से लेकर रात 11 बजे तक चलाया जा रहा है। दिन ढलने के साथ यातायात पुलिसकर्मी सड़कों के चौक, चौराहों पर शराब पीकर वाहन चलाने वालों के खिलाफ विशेष अभियान चलाए हुए हैं। जिसके चलते वाहन चालकों को जांचा जा रहा है कि कहीं बाइक को शराब पीकर तो नही चलाया जा रहा है। ऐसे में शराब पीकर वाहन चलाने वालों के चलान भी काटे जा रहे हैं। वाहनों को भी इम्पाउंड किया जा रहा है। शराब पीकर बाइक चलाते 80 पकड़े, 35 वाहन इम्पाउंडः यातायात पुलिस ने विशेष अभियान के दौरान शराब पीकर वाहन चलाते 80 वाहन चालकों को काबू किया है। जिनके चालान करने के साथ 35 वाहनों भी इम्पाउंड किए गए हैं। जिसमें ज्यादातर बाइक चालक थे। पुलिस कर्मियों ने ऐसे बाइक चालकों को चेतावनी भी दी है। पुलिस का शाम को शुरू होने वाले अभियान के पीछे सड़क हादसों को रोकना तथा लोगों से सेफ ड्राइविंग करवाना है। शराब पीकर वाहन चलाने वाला खुद के साथ दूसरो के लिए भी खतरा बन जाता है।

जींद। जांच करते पुलिसकर्मी। फोटो :हरिभूमि

अभियान लगातार जारी रहेगाः थाना प्रभारी

जिला यातायात थाना प्रभारी शमशेर सिंह ने बताया कि एसपी कुलदीप सिंह के दिशा निर्देशो पर यह अभियान चलाया जा रहा है। जिसके तहत ड्रिंक कर ड्राइव करते 80 बाइक सवारों को काबू किया गया। जिनके चलान करने के साथ 35 वाहनों को इम्पाउंड किया है। यातायात पुलिस का यह अभियान लगातार जारी रहेगा।

मांगों को लेकर रोष प्रदर्शन 28 को

- फर्जीवाड़े के नाम पर श्रम कल्याण बोर्ड के कार्यों पर लगाई रोक पर जताया रोष

हरिभूमि न्यूज ▶▶| जींद

भवन निर्माण कामगार यूनियन संबंधित सीटू जिला कमेटी के नेतृत्व में बराह खुर्द गांव के निर्माण मजदूरों की बैठक हुई। बैठक में सीटू नेता रमेश चंद्र ने बताया कि 10 जुलाई से फर्जीवाड़े के नाम पर श्रम कल्याण बोर्ड के कार्यों पर बीजेपी सरकार ने रोक लगा रखी है। जोकि बेहद गलत है और मजदूरों के हकों पर हमला है। बीजेपी सरकार ने न केवल सुविधाओं पर रोक लगा दी बल्कि जांच के नाम पर कमेटी बनाने की बात भी कही थी लेकिन जिला में कमेटी तो जिला उपायुक्त की अध्यक्षता में बन गई लेकिन डेढ़ महीने से ऊपर बीत जाने के बाद भी जिला में किसी सिंगल निर्माण के मजदूर की जांच नहीं की गई। इसलिए यूनियन ने पूरे हरियाणा में आंदोलन करने का निर्णय लिया है। इसी कड़ी में 28 अगस्त को जिलास्तरीय प्रदर्शन करते उपायुक्त कार्यालय का घेराव किया जाएगा। कहा कि निर्माण मजदूर कल्याण बोर्ड के तहत लगभग 10 लाख के करीब मजदूर पंजीकृत हैं। जिसमें छह लाख मजदूर के करीब ऑफलाइन, चार लाख के करीब ऑनलाइन पंजीकृत हुए हैं। सरकार आदेश अनुसार विभाग द्वारा सभी निर्माण मजदूर का पंजीकरण स्थाई तौर पर ब्लॉक कर दिए गए हैं। कारण यह दिया गया कि फर्जी तरीके से 90 दिन का वेरिफिकेशन की गई है। जबकि 90 दिन की वेरिफिकेशन में कोई मजदूर का कसूर नही है। सरकार द्वारा की 2018 में यूनियन का अधिकार छीन कर ग्राम पंचायत सचिव पटवारी लेबर अधिकारी व अन्य को दे दिया गया था। इनके द्वारा किए गए भ्रष्टाचार का खामियाजा मजदूरों को भुगतना पड़ रहा है। उन्होंने कहा कि किसी भी सूरत में मजदूरों को लाभ न रोका जाए। बोर्ड में कर्मचारी व अधिकारी भर्ती करके बोर्ड को स्वतंत्रता का ढांचा खड़ा किया जाए। 90 दिन का वेरिफिकेशन का अधिकार यूनियन को दिया जाए।

जींद में मिला डेंगू का एक नया मामला, संख्या आठ

- 18 बुखार से पीड़ित लोगों के रक्त के नमूने लेकर जांच के लिए भेजे

हरिभूमि न्यूज ▶▶| जींद

बारिश का मौसम है और एक-एक कर डेंगू के मामले सामने आ रहे हैं। शनिवार को भी स्वास्थ्य विभाग को शिवपुरी कालोनी में डेंगू का एक मामला मिला है। जिसके चलते डेंगू के मामले बढ़ कर आठ हो गए हैं। वहीं स्वास्थ्य विभाग को मलेरिया का भी एक मामला इस वर्ष मिला है। हालांकि चिकनगुनिया का मामला विभाग को अबतक नही मिला है। शनिवार को डेंगू का मामला सामने आने पर स्वास्थ्य विभाग की टीम द्वारा शिवपुरी कालोनी सहित शहर की दर्जनों कालोनियों में डेंगू, चिकनगुनिया, मलेरिया के बचाव की जानकारी देने के लिए जागरूकता अभियान चलाया। 18 बुखार से पीड़ित लोगों की जांच के लिए रक्त के नमूने लेकर जांच के लिए भिजवाए गए। इसके अलावा स्वास्थ्य कर्मचारियों ने जहां दूषित पानी से होने वाली डायरिया जैसी बीमारियों से बचाव हेतू पानी साफ करने वाली क्लोरीन की गोलियां तथा ओआरएस व जिंक की गोलियां भी वितरित की और पीने के पानी के सैंपल लेकर जांच के लिए भिजवाए। इस वर्ष स्वास्थ्य विभाग को अबतक डेंगू के आठ व मलेरिया का एक मामला मिला चुका है। जहां पर डेगूं के मरीज मिल रहे हैं। वहां उस परिवार व आसपास के मकानों में बीमार लोगों के भी स्वास्थ्य विभाग सैंपल ले रहा है। उन घरों के पास लारवा की जांच कर दवाई का छिड़काव करवाया जा रहा है। जिला स्वास्थ्य निरिक्षक राममेहर वर्मा ने बताया कि सिविल सर्जन डा. सुमन कोहली के मार्गदर्शन में लगातार जागरूकता अभियान चलाया जा रहा है। इसके अलावा कालोनी में जहां-जहां सीवरेज तथा पीने के पानी की लीकेज मिली।

लार्वा मिलने पर नोटिस दिए जा रहेः ढांडा

जिला नोडल अधिकारी मलेरिया डा. विजेंद्र ढांडा ने कहा कि डेंगू व मलेरिया को रोकने के लिए स्वास्थ्य विभाग लगातार प्रयासरत है। इसके लिए स्वास्थ्य विभाग की 200 से अधिक टीमें फिल्ड में हैं। टीमों द्वारा गहनता से जांच की जा रही है। पहले तो लारवा को नष्ट करवाया जा रहा है। जिन घरों के आसपास लारवा मिल रहा है, बाकायदा उनको नोटिस दिए जा रहे हैं।

देसी पिस्तौल व कारतूस सहित आरोपित गिरफ्तार

कैथल। स्पेशल डिटेक्टिव युनिट द्वारा थाना पूंडरी क्षेत्र से एक आरोपी को काबू किया गया है। जिसके कब्जे से एक .32 बोर देसी पिस्तौल व एक कारतूस बरामद हुए। पुलिस प्रवक्ता ने बताया कि स्पेशल डिटेक्टिव युनिट प्रभारी एसआई रमेश चंद की अगुवाई में एसआई सुभाष चंद की टीम शाम के समय गश्त दौरान ब्रहमानंद चौक पुंडरी पर मौजूद थी। जहां पर पुलिस टीम को एक गुप्त सूचना मिली की नहर पुल ढांड रोड़ पुंडरी पर गांव फरल निवासी दुष्यंत किसी के इंतजार में खड़ा है। जो अपने साथ नाजायज असला लिए हुए है। जिसको रेड करके काबु किया जा सकता है । सूचना विश्वसनीय होने कारण पुलिस द्वारा नहर पुल ढांड रोड़ पुंडरी पर दबिश देकर संदिग्ध गांव फरल निवासी दुष्यंत को काबू कर लिया गया। जांच के दौरान आरोपी के कब्जे से .32 बोर का अवैध देशी पिस्तौल व एक कारतूस बरामद हुए। आरोपी के खिलाफ थाना पूंडरी में शस्त्र अधिनियम तहत मामला दर्ज करके मौके पर पहुंचे एएसआई तरसेम सिंह द्वारा गिरफ्तार कर लिया गया।

अधिक बारिश होने की वजह से फसलें हो रही प्रभावित

टमाटर के दामों में आया 20 प्रतिशत तक उछाल

हरिभूमि न्यूज ▶▶| सीवन

बढ़ते टमाटर के दामों ने घर की रसोई का बजट असंतुलित कर दिया है। कुछ ही दिनों पहले तक 20 से 30 रुपये प्रति किलो मिलने वाला टमाटर अब 80 रुपये प्रति किलो तक पहुंच गया है। इसका असर भोजन की थाली पर साफ नजर आने लगा है। कई घरों ने टमाटर का उपयोग सलाद से लगभग बंद ही कर दिया है, जबकि इसका उपयोग कई सब्जियों और दालों के तड़के में भी किया जाता है। टमाटर भोजन का स्वाद बढ़ाने, ग्रेवी बनाने, चटनी तैयार करने और अनेक व्यंजनों में अहम भूमिका निभाता आया है, जिसके कारण इसका भाव बढ़ने पर कई ग्रहणियों ने इसका इस्तेमाल कुछ कम कर दिया है। सब्जी विक्रेता दुकानदार गौरव अरोड़ा व बलवान प्रजापत आदि ने बताया कि कुछ समय पहले लोकल टमाटर आ रहे थे, तभी उनके भाव समान्य थे। लेकिन अब टमाटर मुख्य रूप से नासिक से आ रहे हैं, जहां अधिक बारिश होने की वजह से इसकी फसल प्रभावित हुई है। इसका असर इसके रेटों पर पड़ा है, जिसके फलस्वरूप लोगों ने इसका उपयोग कुछ कम कर दिया है, ताकि घर का बजट असंतुलित न होने पाए। इसके अलावा बाहर से आ रही सब्जी के दाम अधिक हैं। इस समय सब्जियां महंगे दामों पर बिक रही हैं। शिमला मिर्च 100 प्रति किलोग्राम, मटर 160 प्रति किलोग्राम, अदरक 120 प्रति किलोग्राम और गोभी 80 से 100 प्रति किलोग्राम तक पहुंच गई है। वहीं लोकल सब्ज़ियों की कीमतें अपेक्षाकृत कम बनी हुई हैं।

ये बोले सब्जी विक्रेता

तोरी 60 प्रति किलोग्राम, अरबी 50 प्रति किलोग्राम, करेला 60 प्रति किलोग्राम, भिंडी 60 प्रति किलोग्राम, हरी मिर्च 80 प्रति किलोग्राम, बैंगन 40 प्रति किलोग्राम, आलू 20 प्रति किलोग्राम और प्याज 30 प्रति किलोग्राम के भाव पर मिल रहा है। बाजार के सब्जी विक्रेताओं का कहना है कि बाहर से आने वाली सब्जियों के दाम ज्यादा होने के चलते ग्राहक ज्यादातर लोकल सब्जियों की ओर रुख कर रहे हैं।

बाइस लाख ठगी का आरोपी 3 दिन के पुलिस रिमांड पर

कैथल। विदेश भेजने के सब्जबाग दिखाकर आमजन से ठगी करने वाले आरोपियों पर एसपी आस्था मोदी के निर्देशानुसार जिला पुलिस द्वारा शिकंजा कसा जा रहा है। ऐसे ही कनाडा भेजने के नाम पर करीब 22 लाख रुपए ठगी करने के मामले की जांच आर्थिक अपराध शाखा प्रभारी इंस्पेक्टर ओमप्रकाश की अगुवाई में एएसआई रामपाल सिंह की टीम द्वारा करते हुए आरोपी गांव बुल्लापुर जिला मलेरकोटला पंजाब निवासी गुरजैंट सिंह को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस प्रवक्ता ने बताया कि गांव रामथली निवासी कुलदीप सिंह की शिकायत अनुसार उसके दूर के रिश्तेदार बुल्लापुर जिला मलेरकोटला पंजाब निवासी गुरजैट सिंह व उसकी पत्नी गुरमीत कौर जुलाई 2022 को उसके घर आए और कनाडा का वर्क परमिट खुला होने की बात कही। उसने दो साल का वर्क परमिट दिलाने का झांसा दिया और इसके बदले 45 लाख रुपये की मांग की। आरोपी पर भरोसा करते हुए उसका व उसकी पत्नी सर्वजीत कौर का पासपोर्ट, दस्तावेज और फोटो आरोपी को दे दिया।

खबर संक्षेप

मकान से चार क्विंटल गेहूं चोरी, मामला दर्ज

जींद। गांव अलेवा में बीती रात चोरों ने मकान का ताला तोड़ कर चार क्विंटल गेहूं को चोरी कर लिया। अलेवा थाना पुलिस मामले की जांच कर रही है। गांव अलेवा निवासी साहिल ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि बीती रात चोरों ने मकान का ताला तोड़ कर चार क्विंटल गेहूं को चोरी कर लिया। अलेवा थाना पुलिस ने शिकायत के आधार पर चोरी का केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

महिला से अभद्र व्यवहार गाली गलौज, दो नामजद

जींद। घर में घुस कर महिला से गाली गलौज, धमकी पर सिविल लाइन थाना पुलिस ने दो लोगों के खिलाफ मामला दर्ज किया है। सिविल लाइन थाना इलाका की एक महिला ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि ननंद का ससुराल के साथ कोर्ट में मामला चल रहा है। जिसमें पति गवाह है। रिश्तेदार सुभाष व दक्षघर आए और उसके पति को गवाही न देने के लिए कहा था।

टीम थाना प्रभारी-मंडी चौकी प्रभारी से मिली

जुलाना। जुलानाकस्बे में खुले में घूम पशुओं की समस्या को लेकर आईईसी टीम के सदस्य थाना प्रभारी और मंडी चौकी इंचार्ज से मिले। आईईसी टीम की प्रभारी जीनत पुनिया ने बताया कि नगरपालिक सचिव के निर्देशानुसार थाना प्रभारी रविंद्र और मंडी चौकी इंचार्ज अजय से मुलाकात की। जीनत पूनिया ने बताया कि बाहर से लोग खुले में पशुओं को मंडी में छोड़ जाते हैं।

साक्षी ने 800 मीटर रेस में जीता गोल्ड

जींद। जिला स्तरीय स्कूली खेलों में अंडर 19 में साक्षी ढुल ने 800 मीटर दौड़ में स्वर्ण पदक जीता। इन खेलों का आयोजन नवदीप स्टेडियम नरवाना में हुआ। साक्षी ने अपनी मेहनत के बल पर सभी को पीछे छोड़ दिया और स्वर्ण पदक अपने नाम कर लिया। राजकीय वमावि रामराय की ओर से इन खेलों में भाग लिया है। उपलब्धि पर स्कूल स्टाफ, कोच रविंद्र ढुल और सरपंच राजकुमार सभी ने उसको बहुत बहुत बधाई दी।

तैराकी प्रतियोगिता में बच्चों का शानदार प्रदर्शन

जींद। एकलव्य स्टेडियम में हुई जिला स्तरीय तैराकी प्रतियोगिता में घिमाना गांव के एसडी सीनियर सेकेंडरी स्कूल के बच्चों ने प्रथम स्थान प्राप्त कर विद्यालय का नाम रोशन किया तथा स्टेट चैंपियनशिप के लिए अपनी जगह बनाई। इसमें आयु वर्ग 19 में लड़कों में शिवा ने फ्रीस्टाइल में प्रथम पृष्ठ में प्रथम तथा बटरफ्लाई में प्रथम स्थान प्राप्त कर तीन गोल्ड मेडल प्राप्त किए।

बच्चों को माइक्रोसॉफ्ट की दी जानकारी

जींद। चौधरी रणबीर सिंह विवि में शनिवार को कंप्यूटर साइंस एवं एप्लीकेशन विभाग तथा ट्रेनिंग एंड प्लेसमेंट सेल द्वारा संयुक्त रूप से कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में माइक्रोसॉफ्ट के सीनियर कंसलटेंट साकेत, राजेश पांचाल एवं विजय कुमार भदोरिया ने विद्यार्थियों को एआई, क्लाउड कंप्यूटिंग एवं माइक्रोसॉफ्ट एज्यूर के बारे में जानकारी दी।

कपास पर आयात शुल्क समाप्त करने जताया रोष

जींद। अखिल भारतीय किसान सभा के राज्य उपाध्यक्ष फूल सिंह श्योकंद ने आरएसएस, भाजपा के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार द्वारा कच्चे कपास पर 11 प्रतिशत आयात शुल्क समाप्त करने के फैसले की कड़ी निंदा की है। उन्होंने कहा कि यह निर्णय केंद्रीय अप्रत्यक्ष कर और सीमा शुल्क बोर्ड (सीबीआईसी) द्वारा अधिसूचित किया गया है और 19 अगस्त से 30 सितंबर 2025 तक प्रभावी रहेगा।

समसामयिक प्रासंगिकता विषय पर हुई कार्यशाला

जींद। हिंदू कन्या महाविद्यालय के आईआईसी और आईपीआर सेल के संयुक्त तत्वावधान में बौद्धिक संपदा अधिकारों की समसामयिक प्रासंगिकता विषय पर एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। इस कार्यशाला की अध्यक्षता महाविद्यालय की प्राचार्या डा. पूनम मोर द्वारा की गई।

पिंडतारक तीर्थ पर मेले में की खरीदारी

हरियाली अमावस्या पर भक्तों ने किया पिंडदान

अमावस्या को देखते तीर्थ पर पुलिस कर्मचारी को तैनात किया गया

हरिभूमि न्यूज ▶▶| जींद

पांडु पिंडारा स्थित पिंडतारक तीर्थ पर शविार को हरियाली अमावस्या पर श्रद्धालुओं ने सरोवर में स्नान किया तथा पिंडदान कर पितृ तर्पण किया और सुखद भविष्य की कामना की। अमावस्या को देखते तीर्थ पर पुलिसकर्मियों को तैनात किया गया था। ऐतिहासिक पिंडतारक तीर्थ पर शुक्रवार शाम से ही श्रद्धालुओं का पहुंचना शुरू हो गया था। इस दौरान धर्मशालाओं में सत्संग तथा कीर्तन आदि का आयोजन चलता रहा। शनिवार अल सुबह ही श्रद्धालुओं ने सरोवर में स्नान तथा पिंडदान शुरू कर दिया जो मध्यान्ह के बाद तक चलता रहा। इस मौके पर दूर दराज से आए श्रद्धालुओं ने अपने पितरों की आत्मा की शांति के लिए पिंडदान किया तथा सूर्यदेव को जलार्पण करके सुख समृद्धि की कामना की। पिंडतारक तीर्थ के संबंध में किदवंती है कि महाभारत युद्ध के बाद पूर्वजों की आत्मा की शांति के लिए पांडवों ने यहां 12 वर्ष तक सोमवती अमावस्या की प्रतीक्षा में तपस्या की। बाद में सोमवती अमावस के आने पर युद्ध में मारे गए परिजनों की आत्मा की शांति के लिए पिंडदान किया। तभी से यह माना जाता है कि पांडु पिंडारा स्थित पिंडतारक तीर्थ पर पिंडदान करने से पूर्वजों को मोक्ष मिल जाता है। महाभारत काल से ही पितृ विसर्जन की अमावस्या, विशेषकर सोमवती अमावस्या पर यहां पिंडदान करने का विशेष महत्व है। यहां पिंडदान करने के लिए विभिन्न प्रांतों के लोग श्रद्धालु आते हैं। श्रद्धालुओं ने यहां खरीददारी भी की। जयंती देवी मंदिर के पुजारी नवीन शास्त्री ने कहा कि हिंदू धर्म में अमावस्या तिथि को विशेष तिथि के रूप में देख जाता है। इस दिन पूर्वजों के निमित्त पिंडदान एवं दान, पुण्य के कार्य किए जाते हैं। हरियाली अमावस्या पर्व जीवन में पर्यावरण के महत्व को भी बताता है। इस दिन नए पौधे लगाए जाएं तो जीवन के सारे कष्ट दोष दूर हो जाते हैं और सुख-समृद्धि का आगमन होता है। यह तिथि किसानों के लिए भी महत्वपूर्ण मानी जाती है। इस दिन किसान अपने खेती में उपयोग होने वाले उपकरणों की पूजा करते हैं और ईश्वर से अच्छी फसल होने की कामना करते हैं।

पिंडदान करवाते श्रद्धालु,हरियाली अमावस्या पर पिंडारा तीर्थ पर पहुंचे श्रद्धालु।

शिविर में 59 ने किया रक्तदान

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नरवाना

नरवाना। ब्रह्मा कुमारीज नरवाना में आयोजित शिविर में रक्तदान करते लोग।

ब्रह्माकुमारीज की पूर्व मुख्य प्रशासिका दादी प्रकाशमणि की 18वीं पुण्यतिथि एवं विश्व बंधुत्व दिवस के अवसर पर शनिवार को ब्रह्माकुमारीज के ओमशांति कॉलोनी स्थित सेवा केंद्र पर रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। मेडिकल ऑफिसर डा. मोहित गुप्ता के नेतृत्व में जींद एवं नरवाना नागरिक अस्पताल एवं रेडक्रॉस जींद की टीम एवं स्टाफ ने शिविर में 59 यूनिट रक्त एकत्रित किया। मुख्यअतिथि अनाज मंडी एसोसिएशन के प्रधान ईश्वर गोयल, डा. मोहित गुप्ता एवं ब्रह्माकुमारीज सेवा केंद्र प्रभारी बीके सीमा बहन ने बैज लगा कर एवं रक्तदान सर्टिफिकेट देकर सभी रक्तदाताओं को सम्मानित किया। रक्तदान शिविर में 125 लोगों ने भाग लिया। शिविर में आए रक्तदाताओं समेत सभी लोगों को फलाहार, दूध एवं फ्रूट जूस पिलाया गया। बीके सीमा ने बताया कि देशभर में एकसाथ लगभग छह हजार सेवा केंद्रों द्वारा लाखों यूनिट रक्त एकत्रित करके गिनीज बुक में नाम दर्ज करने का एक अनोखा प्रयास किया है। वक्ताओं ने अपने संबोधन में कहा कि रक्तदान महादान है इसलिए सभी को रक्तदान करते रहना चाहिए।

जींद। प्रतियोगिता में भाग लेते छात्र। *फोटो :हरिभूमि*

प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता का आयोजन

जींद। सुप्रीम सीनियर सेकेंडरी स्कूल में हिंदी व्याकरण प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता का आयोजन बड़े उत्साह और विधिवत ढंग से किया गया। प्रतियोगिता में कक्षा छह से 12 तक के विद्यार्थियों ने भाग लिया और भाषा एवं व्याकरण के ज्ञान का उत्कृष्ट प्रदर्शन किया। विद्यार्थियों ने ज्ञान और समझदारी के बल पर विभिन्न कठिन प्रश्नों के उत्तर आत्मविश्वास के साथ दिए। उनकी प्रस्तुतियों ने सभी शिक्षकों और दर्शकों का मन मोह लिया। इस प्रतियोगिता में कल्पना हाउस के प्रतिभागी देव, सैय्यम, भव्या, करुण, वीशु और तनिषा ने उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए प्रथम स्थान प्राप्त किया। उनकी टीम वर्क, समझदारी और तत्परता की सभी ने सराहना की। विद्यालय के अध्यक्ष डा. डीपी जैन उपाध्यक्ष बलवान कौशिक, निदेशक शरत अत्री और इंचार्ज प्राचार्य प्रतीक ने विजेता टीम और सभी प्रतिभागियों को बधाई दी। कहा कि इस प्रकार की प्रतियोगिताएं विद्यार्थियों में भाषा के प्रति रुचि, ज्ञान की गहराई और आत्मविश्वास बढ़ाने में सहायक होती हैं।

पेंशनरों को डेढ़ साल का डीए का एरियर देने की मांग उठाई

जींद। सफीदों में उपमंडल स्तर पर बैठक प्रधान प्रेमसिंह बांगड़ की अध्यक्षता में हुई। इसका संचालन रामकरण हुड्डा ने किया। सबसे पहले देश के लिए बलिदान देने वाले बलिदानियों को और सेवानिवृत्त निरीक्षक रतन सिंह के 100 वर्षीय पिता सरदार अमर सिंह के निधन पर शोक सभा आयोजित की गई। बैठक में पुलिस पैंशनरों व कर्मचारियों की लंबित मांगों बारे विचार-विमर्श किया गया और सरकार से मांग की गई कि काफी समय से लंबित मांगों को लागू किया जाए। उन्होंने मांग की कि पुरानी पैंशन योजना लागू की जाए। पुलिस विभाग में स्थायी भर्ती प्रक्रिया शुरू की जाए। मेडिकल कैशलेस सुविधा पूरी तरह लागू की जाए। कोरोना काल का डेढ़ साल का डीए का एरियर दिया जाए। मेडिकल भत्ता एक हजार से बढ़ा कर तीन हजार किया जाए। पुलिस विभाग में कार्यरत कर्मचारियों को समय पर वरिष्ठता एवं योग्यता अनुसार पदोन्नति दी जाए। कर्मचारियों और पेंशनरों के हक में न्यायालयों द्वारा दिए गए फैसले लागू किए जाए। सुलतान सिंह बैनीवाल, प्रताप सिंह, बलबीर सिंह आदि मौजूद रहे।

यूकेजी टैगोर हाऊस ने मारी बाजी

नरवाना। शिक्षा भारती मॉडल स्कूल उझाना में शनिवार को नर्सरी से बारहवीं कक्षा तक के विद्यार्थियों के लिए एक रोमांचक अंतर सदन विज्ञान प्रतियोगिता का आयोजन किया। प्रतियोगिता में स्कूल के चारों रमन हाऊस, कलाम हाऊस, टेरेसा हाऊस और टैगोर हाऊस के छात्रों ने बढ़चढ़कर हिस्सा लिया। प्रत्येक श्रेणी में दो चरणों में प्रतियोगिता आयोजित की गई। जिसमें पहला चरण लिखित प्रश्न उत्तर परीक्षा तथा दूसरा चरण हाऊस वाइज मौखिक प्रश्न उत्तर प्रतियोगिता का रहा। बच्चों की इस प्रतियोगिता में अद्भुत उत्साह देखने को मिला। नर्सरी से बारहवीं कक्षा तक के सभी विद्यार्थियों ने विज्ञान विषय में दक्षता का बेहतरीन प्रदर्शन किया। प्रत्येक हाऊस के बच्चों ने विज्ञान से संबंधित प्रश्न बताने में प्रतिभा का परिचय दिया। नर्सरी से यूकेजी टैगोर हाऊस ने पहला स्थान प्राप्त किया। पहली से दूसरी कक्षा तक के बच्चों में रमन हाऊस ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। तीसरी से पांचवीं कक्षा तक के बच्चों में टैगोर हाऊस ने प्रथम स्थान प्राप्त किया।

शिक्षा भारती मॉडल स्कूल उझाना में आयोजित प्रतियोगिता में भाग लेते बच्चे।

आयोजित इनेलो की हलकास्तरीय मीटिंग में पहुंचे इनेलो राष्ट्रीयध्यक्ष अभय चौटाला।

ताऊ देवीलाल जयंती समारोह का दिया निमंत्रण

उचाना। इनेलो के राष्ट्रीयध्यक्ष अभय सिंह चौटाला उचाना की ब्राह्मण धर्मशाला में शनिवार को पहुंचे। यहां आयोजित हलकास्तरीय बैठक में 25 सितंबर को रोहतक में होने वाली चौधरी देवीलाल की जयंती समारोह को लेकर निमंत्रण दिया। अभय सिंह चौटाला ने कहा कि 25 सितंबर को रोहतक में पूर्व उप प्रधानमंत्री देवीलाल के जन्मदिवस पर आयोजित रैली पिछले सभी रिकॉर्ड तोड़ेगी। क्योंकि कार्यकर्ताओं में भारी उत्साह है। इसको लेकर वह प्रदेश के सभी 90 हलकों में कार्यकर्ताओं की मीटिंग लेकर उन्हें रैली में पहुंचने का न्योता दे रहे हैं। चौधरी देवीलाल ने बुजुर्गों के सम्मान में बुढ़ापा पेंशन शुरू की। किसानों के हितों की आवाज उठाई और उनके लिए नीतियां बनाई। साथ ही सभी वर्गों के उत्थान के लिए समान रूप से नीतियों को लागू किया। चौध्सी देवीलाल की नीतियों पर चलते हुए इनेलो ने हमेशा किसान, मजदूर व आम वर्ग की आवाज को उठाया है और उनके हकों के लिए सदैव कंधे से कंधा मिलाकर खड़ी रही है।

मोनिका प्रथम, ममता द्वितीय

जींद। राष्ट्रीय अंतरिक्ष दिवस के अवसर पर राजकीय महाविद्यालय जींद में पोस्टर निर्माण प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम महाविद्यालय के प्राचार्य सत्यवान मालिक की अध्यक्षता में एनसीसी इकाई द्वारा आयोजित किया गया। प्रतियोगिता का सफल संचालन एनएसएस अधिकारी, सीटीओ डा. ज्योति लडवाल एवं एएनओ ले. पंकज के मार्गदर्शन में हुआ। कार्यक्रम में एनसीसी कैडेट्स ने उत्साहपूर्वक भाग लिया तथा अंतरिक्ष अन्वेषण विषय पर अपने पोस्टर प्रस्तुत किए। कैडेट्स की रचनात्मकता में भारत की अंतरिक्ष उपलब्धियों और भावी दृष्टिकोण की स्पष्ट झलक दिखाई दी। एनएसएस अधिकारी डा. ज्योति लडवाल ने बताया कि इस प्रतियोगिता में मोनिका ने प्रथम स्थान, साहिल एवं ममता ने द्वितीय स्थान और ईशा एवं खुशबू ने तृतीय स्थान हासिल किया।

जींद। प्रतियोगिता में छात्रों द्वारा बनाए गए पोस्टर। *फोटो :हरिभूमि*

नरवाना। प्रतियोगिता में भाग लेने वाले बच्चे। *फोटो :हरिभूमि*

समूह नृत्य प्रतियोगिता आयोजित

नरवाना। डीएवी शताब्दी पब्लिक स्कूल नरवाना में शनिवार को कक्षा छठी से आठवीं कक्षा के लगभग 40 बच्चों ने एकल नृत्य और समूह नृत्य में अपनी प्रतिभागिता सुनिश्चित कर प्रस्तुति दी। विद्यालय के प्राचार्य गजेंद्र कुमार शर्मा ने बताया कि प्रतियोगिता में कक्षा छठी से अश्विका ने और आठवीं से कनिका ने प्रथम स्थान, छठी से अवनी, आठवीं से तमन्ना ने दूसरा स्थान, कक्षा छठी से इशिका व कक्षा सातवीं से नव्या ने तीसरा स्थान तथा कक्षा छठी से यशिका ने चौथा स्थान हासिल किया। प्राचार्य गजेंद्र कुमार शर्मा ने कार्यक्रम संयोजिका मोनिका हांडा, मंच संचालिका हेमा शर्मा तथा प्रतिभागी एवं विजेता बच्चों की प्रशंसा की।

जींद। कार्यक्रम में भाग लेते हुए बच्चे। *फोटो :हरिभूमि*

मनमोहक प्रस्तुतियों से किया मंत्रमुग्ध

जींद। यदुवंशी शिक्षा निकेतन बीबीपुर में नन्हे कदम, लिटिल स्टार राइजिंग कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में नर्सरी से कक्षा दूसरी तक के नन्हे-मुन्ने विद्यार्थियों ने रंगारंग प्रस्तुतियां देकर सभी का दिल जीत लिया। बच्चों ने गीत, नृत्य, कविताएं और विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रमों के माध्यम से अपनी प्रतिभा का शानदार प्रदर्शन किया। कार्यक्रम की विशेषता यह रही कि यदुवंशी हांसी शाखा के छोटे बच्चों ने भी इस आयोजन में भाग लिया और अपनी मनमोहक प्रस्तुतियों से सभी को मंत्रमुग्ध कर दिया। मंच पर बच्चों की मासूमियत और आत्मविश्वास ने पूरे वातावरण को उल्लास और उमंग से भर दिया। कार्यक्रम की मुख्य अतिथि लोक कलाकार हिमानी गुप्ता ने कहा कि इन छोटे-छोटे कदमों में भविष्य के बड़े सपनों की झलक दिखाई देती है। यदुवंशी शिक्षा निकेतन बच्चों को न केवल शिक्षा देता है बल्कि उनके सर्वांगीण विकास के लिए मंच भी प्रदान करता है। आज बच्चों की प्रतिभा देखकर मुझे अपार खुशी और गर्व महसूस हो रहा है।

स्टूडेंट्स फॉर डेवलप्मेंट जींद ने किया यूनिवर्सिटी से एमओयू

हरिभूमि न्यूज ▶▶| जींद

जींद। एमओयू करते हुए संगठन सदसय।

स्टूडेंट्स फॉर डिवलप्मेंट नगर संयोजक व विवि संयोजक अमित सैनी ने बताया कि अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद एबीवीपी का एक आयाम है जो भारतीय संस्कृति के अनुरूप सतत और समग्र विकास को बढ़ावा देने के लिए काम करता है। यह सांस्कृतिक, आर्थिक और भौतिक विकास के मुद्दों को संबोधित करने के लिए पर्यावरण जागरूकता अभियान, वृक्षारोपण अभियान जैसी पहलों का आयोजन करता है। एमओयू में विश्वविद्यालय में पर्यावरण मुद्दों पर यूनिवर्सिटी में पेड़ लगाने और यूनिवर्सिटी में पशु पक्षियों के लिए दाना पानी का प्रावधान करना है। अध्यक्ष राहुल कक्कड़ ने बताया कि एबीवीपी ने चौधरी रणबीर सिंह विवि के साथ एमओयू किया है। विवि के कुल गुरु प्रो सैनी की भावना को देख काफी खुशी जाहिर की कि कोई छात्र संगठन इस दिशा में न केवल सोचा रहा है बल्कि कार्य भी कर रहा है। राष्ट्रीय कार्यकारिणी अध्यक्ष रोहन ने बताया कि इसके तहत जींद विवि के अंदर स्टूडेंट्स फॉर डेवलप्मेंट जो कि एबीवीपी का पर्यावरण के लिए कार्य करने वाला एक आयाम है के तहत पक्षी वाटिका व विवि में किस प्रकार के पौधे लगाए जाएं ताकि विश्वविद्यालय जल्द से हरा भरा हो सके इस पर कार्य किया जाएगा।

राजकीय स्कूल बडऩपुर में प्रतियोगिता में भाग लेने वाले बच्चे प्रिंसिपल संजय चौधरी के साथ।

रैली निकाल नशे के खिलाफ किया प्रेरित

नरवाना। पीएमश्री राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय बडऩपुर में विभागीय निर्देशानुसार तंबाकू विरोध दिवस मनाया गया। प्रिंसिपल संजय चौधरी ने बताया कि तंबाकू का या अन्य प्रकार का नशा हमें धीरे.धीरे मौत के करीब ले जाता है। हर प्रकार के नशे से बचना चाहिए तथा नशे का विरोध अपने आसपास सब जगह करना चाहिए। लोगों को जागरूक करना चाहिए। इसी जागरूकता अभियान के अंतर्गत तंबाकू के विरोध में गांव में एक रैली निकाली गई तथा विद्यालय में रंगोली व पोस्टर मेकिंग प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। फाइन आर्ट की प्रवक्ता निशा शर्मा ने बच्चों से बहुत अच्छे रंगोली व पोस्टर बनवाए। गांव सरपंच गगनदीप, एमसी के प्रधान नानूराम, उप प्रधान कविता देवी सहित अन्य गणमान्य व्यक्तियों ने कार्यक्रम के लिए बधाई दी।

देश, विदेश से पूजा अर्चना के लिए मंदिर पहुंचे लोग लगाया भंडारा

दादी रानी सती मंदिर में हजारों ने की पूजा अर्चना

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नरवाना

नरवाना। पूजा अर्चना करने के लिए भक्तों की लगी लंबी कतार। *फोटो :हरिभूमि*

भादो माह की अमावस्या के मौके पर शनिवार को हथो गांव में स्थित दादी रानी सती मंदिर में भक्तों का मेला लगा। शहर के प्रमुख मोहल्ला कौशाला खानदान परिवार के लोगों की भारी भीड़ यहां जुटी। यहां दादी रानी सती मंदिर में सुबह से ही लोगों का पहुंचना शुरू हो गया। नरवाना के साथ-साथ देश, विदेश से हजारों लोगों ने यहां पहुंच कर मंदिर में पूजा अर्चना की। अलग-अलग शहरों में रहने वाले लोग सोमवार को यहां पहुंचे। मंदिर परिसर को अमावस्या के मौके पर भव्य रूप से सजाया गया। लोगों ने श्रद्धाभाव से लाइनों में लग कर दादी रानी सती की पूजा अर्चना की और यहां ब्राह्मणों को भोजन करवा कर वस्त्र आदि दान किए। उल्लेखनीय है कि यहां हर वर्ष भादो माह की अमावस्या पर दादी रानी सती मंदिर में पूजा अर्चना करने के लिए हजारों लोग पहुंचते हैं। इस वर्ष भी अमावस्या पर पूजा अर्चना करने के लिए लोगों की भारी भीड़ यहां जुटी थी। गांव में शनिवार सुबह मेले जैसा माहौल बना हुआ था। मंदिर परिसर में विशाल भंडारा भी लगाया गया। मंदिर में पहुंचे लोगों ने पूजा अर्चना करने के बाद भंडारे में प्रसाद ग्रहण किया। परिवार के पुरोहित ने सभी लोगों को अपना आशीर्वाद दिया। शनिवार को दुबई से एक परिवार यहां पूजा अर्चना करने के लिए पहुंचा। इसके अलावा सिलीगुड़ी आसाम से यहां पहुंचे जीवन गर्ग ने कहा कि मंदिर ट्रस्ट ने यहां पूजा अर्चना के लिए शानदार व्यवस्था की है। उन्होंने कहा कि वे प्रति वर्ष यहां पूजा अर्चना के लिए पहुंचते हैं और दादी रानी सती सभी मनोकामनाएं पूर्ण करती हैं। ट्रस्ट के पदाधिकारी राजेंद्र मांगलपुर, कमल गुप्ता, योगेंद्र पाल गुप्ता, राजेंद्र पाल गुप्ता, कृष्ण गर्ग ने बताया कि मंदिर में लाखों रुपये खर्च करके इस भव्य रूप दिया गया है।

गांववासियों का भरपूर सहयोगः सरपंच

ट्रस्ट सदस्यों ने कहा कि गांव के सरपंच सुरेंद्र सहित अन्य गांववासियों को भी भरपूर सहयोग उन्हें मिल रहा है और यहां आने वाले किसी भी भक्तजन को कोई परेशानी नहीं होती। शुक्रवार रात को भी मंदिर परिसर में जागरण का आयोजन किया गया। शनिवार को दोपहर तक लोगों ने मंदिर में पूजा अर्चना की।

एसडी पब्लिक स्कूल में इन हाऊस प्रशिक्षण कार्यक्रम में भाग लेने वाले शिक्षक।

इन हाउस प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन

नरवाना। एसडी पब्लिक स्कूल में 84 अध्यापकों को सीबीएसई द्वारा आयोजित इन हाउस प्रशिक्षण कार्यक्रम के तहत रिसोर्स पर्सन जयश्री गर्ग एवं वर्षा शर्मा ने अध्यापकों को अध्यापन से संबंधित महत्वपूर्ण जानकारियां दी। जिसमें बच्चों को गतिविधियों, खेलकूद एवं प्रेरक कहानियों के माध्यम से बच्चों को शिक्षा दी जाए। इसके लिए अध्यापकों को नए.नए तरीके सुझाए जिससे कि बच्चे भविष्य में उन्हें अपना करियर बनाने के लिए लाभ मिल सके। विद्यालय प्राचार्या अनिता मलिक ने रिसोर्स पर्सन जयश्री गर्ग एवं वर्षा शर्मा का विद्यालय में पहुंचने पर स्वागत किया और कहा कि सीबीएसई द्वारा आयोजित अध्यापकों के लिए इन हाऊस प्रशिक्षण कार्यक्रम बच्चों को अच्छी शिक्षा देने में लाभदायक साबित होंगे। आधुनिक परिवेश में नई शिक्षा नीति के अनुसार किस प्रकार शिक्षक एवं विद्यार्थियों के बीच परस्पर तालमेल एवं सामंजस्य से शिक्षा की नई ऊंचाइयों को छुआ जा सकता है। प्राचार्या अनिता मलिक ने कहा कि विद्यालय को नई बुलंदियों पर पहुंचाने में व बच्चों से सुविधाएं उपलब्ध कराने में स्कूल प्रशासक एवं एसडीएम नरवाना जगदीश चंद्र ने महत्वपूर्ण योगदान दे रहे हैं।

खबर संक्षेप

स्कूल में मौजूद अभिभावक व विद्यार्थी

स्वास्थ्य जांच शिविर का सफल आयोजन

राजौंद। आदर्श सीनियर सेकेंडरी स्कूल जाखौली में प्राचार्य ओ पी शर्मा के मार्गदर्शन में पेरेंट्स टीचर मीटिंग का आयोजन किया गया। मीटिंग में विद्यार्थियों की पढ़ाई अनुशासन और सर्वांगीण विकास पर विस्तार से चर्चा हुई। विद्यालय परिवार की शैक्षणिक गतिविधियों की सराहना की और पूर्ण सहयोग का आश्वासन दिया। विशेष रूप से स्थानीय पी एच सी की डॉक्टर टीम ने अभिभावकों का स्वास्थ्य परीक्षण किया, जिसमें बी पीऔर शुगर टेस्ट शामिल थे। अभिभावकों ने इस पहल की खूब प्रशंसा की। प्राचार्य ओ.पी. शर्मा ने कहा कि अभिभावक और शिक्षक मिलकर ही बच्चों के भविष्य को मजबूत बना सकते हैं।

चालकों से बातचीत करते पुलिस कर्मचारी

नशा कर वाहन चलाने वालों के काटे चालान

कैथल। जिला पुलिस द्वारा सड़क सुरक्षा सुनिश्चित करने तथा सड़क हादसों की रोकथाम के उद्देश्य से विशेष अभियान चलाया गया। इस अभियान के तहत ट्रेफिक एस एच ओ इंस्पेक्टर नरेश कुमार की अगुवाई में ट्रेफिक पुलिस द्वारा शराब पीकर वाहन चलाने वाले चालकों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई की गई। अभियान के दौरान शनिवार को शराब पीकर वाहन चलाने वाले 8 वाहन चालकों के चालान काटे गए। पुलिस ने मौके पर उपस्थित अन्य वाहन चालकों को भी यातायात नियमों की पालना करने, सुरक्षित गति से वाहन तथा नशे की हालत में वाहन न चलाने की सख्त हिदायत दी।

प्रदेश में कानून व्यवस्था पूरी तरह से बिगड़ी

कैथल। कांग्रेस के विधायक आदित्य सुरजेवाला ने जिले की समस्याओं को लेकर भाजपा सरकार को घेरा है। आदित्य सुरजेवाला ने कहा कि भाजपा सरकार ने कैथल के रोडवेज डिपो को खटारा बसों का डंपिंग यार्ड बना दिया है। वहीं प्रदेश में कानून व्यवस्था भी पूरी तरह से बिगड़ी गई है।

कैथल में कांग्रेस के विधायक होने के कारण सरकार जिले का विकास करने में रुचि नहीं ले रही। आदित्य सुरजेवाला ने कहा कि मानसून सत्र में उन्होंने कैथल को लेकर बड़ा सवाल रखा है। उन्होंने पूछा था कि बीते दिनों कैथल में बस रोडवेज डिपो में कितनी बीएस-6 बसें आई। उनमें से कितनी कैथल से हटाकर एनसीआर क्षेत्र में भेजी गई हैं। बसों को भेजा एनसीआर इस पर उन्हें जवाब दिया गया कि कैथल में 46 बसें आई थी।

नशा मुक्ति जागरूकता कार्यक्रम विषय पर संगोष्ठी का आयोजन

नशे से शरीर ही नहीं परिवार भी हो रहे बर्बाद, जागरूकता जरूरी : डीएसपी

नशा मुक्त राष्ट्र बनाने के लिए उनके नैतिक मूल्यों में योगदान देना था सेमिनार का उद्देश्य

हरिभूमि न्यूज ▶▶| कैथल

कैथल। जागरूकता कार्यक्रम में डीएसपी सुशील प्रकाश का स्वागत करते कर्मचारी।

गढ़ी पाडला (कैथल) स्थित अशोक ले लैंड ड्राइविंग प्रशिक्षण संस्थान में जिला विधिक सेवा प्राधिकरण कैथल और नागरिक अस्पताल मानसिक स्वास्थ्य केंद्र के सहयोग से संस्थान के प्रशिक्षणाधीन चालकों के लिए नशा मुक्ति जागरूकता कार्यक्रम विषय पर एक संगोष्ठी का आयोजन किया। जागरूकता कार्यक्रम में डीएसपी सुशील प्रकाश ने बतौर मुख्य अतिथि शिरकत की। उन्होंने संस्थान में इस तरह की गतिविधि आयोजित करने के लिए संस्थान की पहल की सराहना की, जो आज के सभ्य समाज की आवश्यकता है। उन्होंने उपस्थित जन को कहा कि नशा ऐसी बुराई है, जो पूरे परिवार और समाज पर प्रभाव डालती है। हमें स्वयं भी जागरूक रहना है और अन्य लोगों को भी जागरूक करना है।

संस्थान के प्रधानाचार्य एवं प्रमुख समीर सैनी ने अपने संबोधन में बताया कि संस्थान प्रशिक्षणाधीन चालकों को कुशल चालक बनने के लिए कौशल प्रशिक्षण प्रदान कर रहा है और नशा चालकों के जीवन में आने वाली बाधाओं में से एक है, जिसके लिए नशा मुक्ति के बारे में जागरूकता समय की मांग है।

डीएलएसए कैथल के पैनल एडवोकेट एवं मास्टर ट्रेनर अरविंद खुरानिया ने विभिन्न प्रकार के नशीले पदार्थों और उनके सेवन के बारे में बताया, जिनका जीवन, परिवार और नागरिक समाज पर प्रभाव पड़ता है। उन्होंने नशा मुक्ति के बारे में जागरूकता पैदा करने के लिए कार्यशाला, सेमिनार, प्रशिक्षण कार्यक्रम के माध्यम से जागरूकता पैदा करने के लिए अशोक ले लैंड ड्राइविंग प्रशिक्षण संस्थान, जिला प्रशासन, स्वास्थ्य विभाग और पुलिस की भूमिका की सराहना की।

ये रहे मौजूद

चिकित्सा अधिकारी डॉ. सीमा ने बताया कि स्वास्थ्य विभाग ने नशा मुक्ति केंद्र की स्थापना की है और नशे के आदी लोगों के इलाज के लिए नागरिक अस्पताल में मुफ्त दवाइयाँ उपलब्ध कराई जाती हैं। कार्यशाला में लगभग 250 प्रशिक्षुओं, संकायों और कर्मचारियों ने भाग लिया। सेमिनार का उद्देश्य प्रशिक्षुओं को शिक्षित करना और हमारे देश को नशा मुक्त राष्ट्र बनाने के लिए उनके नैतिक मूल्यों में योगदान देना था। इस मौके पर राजबीर सिंह, कृष्ण कुमार, पुनीत धीमान, कपिल डुडेजा, रामदयाल भी कार्यशाला में उपस्थित रहे।

कैथल। कार्यक्रम में भाग लेते स्वास्थ्य विभाग के कर्मचारी फोटो : हरिभूमि

टीबी मरीजों को समय पर दवाई उपलब्ध करवाएं

■ समाजसेवी लोगों ने टीबी मरीजों को बांटा सामान

हरिभूमि न्यूज ▶▶| राजौंद

सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र राजौंद में मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉक्टर रेणु चावला के निर्देशन अनुसार चिकित्सा अधिकारी डा.संदीप सिंह की अध्यक्षता में सभी एमपीएचडब्ल्यू मेल, स्वास्थ्य निरीक्षक की मीटिंग का आयोजन किया गया। मीटिंग में मुख्य रूप से टीबी मरीजों के बारे में चर्चा की गई। क्षेत्र में जितने भी टीबी के मरीज हैं सब को गोद लिया गया। क्षेत्र में जितने टीबी पेशेंट हैं उन सब को संबंधित गांव के सरपंच अध्यापक, पंचायत मेंबर को गोद देने के लिए प्रोत्साहित करने बारे बताया गया। मीटिंग में चिकित्सा अधिकारी डॉक्टर संदीप सिंह व चिकित्सा अधिकारी डा. रोहित ने दो-दो पेशेंट को गोद लिया। जिन्हें वह इलाज के दौरान सभी तरह का सलाह मशविरा जैसे लाइफस्टाइल को कैसे वातावरण के अनुसार ढालना है,जितना हो सकेगा खाने पीने का सहयोग करेंगें । बैठक में टीबी बारे विस्तार से चर्चा की गई। सभी एमपीएसडब्ल्यू को टीबी प्रोग्राम से संबंधित संपूर्ण कागजात ऑनलाइन रिपोर्टिंग के बारे में बताया गया। सभी कर्मचारियों को प्रोत्साहित किया गया कि वह टीबी मरीजों को समय पर दवाई उपलब्ध करवाएं। अपने अपने क्षेत्र में टीबी उन्मूलन के लिए अथक प्रयास करें। मीटिंग का मूल उद्देश्य टीबी मरीजों की देखभाल सुनिश्चित करवाना व उन्हें हर तरह की सहायता उपलब्ध करवाना था।

इनेलो कार्यकर्ता सम्मेलन आज

■ इनेलो सुप्रीमो और प्रदेश अध्यक्ष रामपाल माजरा शिरकत करेंगे

हरिभूमि न्यूज ▶▶| पूंडरी

कैथल। बातचीत करते वरिष्ठ इनेलो नेता तेजवीर गुर्जर ढांड। फोटो : हरिभूमि

पूंडरी में इनेलो कार्यकर्ताओं की एक अहम बैठक आयोजित की गई, जिसमें 24 अगस्त को फतेहपुर देवी मंदिर हाल में होने वाले कार्यकर्ता सम्मेलन की तैयारियों पर विस्तृत चर्चा की गई। बैठक की अध्यक्षता इनेलो जिला प्रधान महासचिव तेजवीर गुर्जर ढांड ने की। तेजवीर गुर्जर ने बताया कि इस सम्मेलन में इनेलो सुप्रीमो अभय सिंह चौटाला और प्रदेश अध्यक्ष रामपाल माजरा विशेष रूप से शिरकत करेंगे। उन्होंने कहा कि इस मौके पर हलके के कार्यकर्ताओं, ग्रामीणों और युवाओं को 25 सितंबर को रोहतक में आयोजित होने वाली ताऊ देवीलाल जयंती रैली में शामिल होने के लिए आमंत्रित किया जाएगा। उन्होंने दावा किया कि इस बार की देवीलाल जयंती प्रदेश की राजनीति में नया इतिहास रचेगी और यह रैली पूरे प्रदेश में इनेलो की ताकत का परिचय कराएगी।

उन्होंने युवाओं को संदेश देते हुए कहा कि आज की राजनीति में युवा सबसे बड़ी ताकत हैं और उनकी सक्रिय भागीदारी से यह आयोजन 1987 वाले दौर की यादें ताज़ा कर देगा। बैठक में मौजूद कार्यकर्ताओं और युवाओं ने संकल्प लिया कि वे गांव-गांव जाकर लोगों से संपर्क करेंगे और रैली को ऐतिहासिक बनाने में कोई कमी नहीं छोड़ेंगे। बैठक में अनेक वरिष्ठ कार्यकर्ता, ग्रामीण और युवा बड़ी संख्या में उपस्थित रहे, जिन्होंने पार्टी को मज़बूत करने और रैली को सफल बनाने के लिए अपने योगदान का भरोसा दिलाया।

मकानों से लाखों के जेवरात-नकदी चोरी

कैथल। कैथल के चीका में चोर दो मकानों से करीब छह लाख रुपए के गहने, नकदी, मोटरसाइकिल व अन्य सामान चोरी कर ले गए। इस दौरान परिवार के सदस्य अपने-अपने कार्यों से बैंगलोर व चंडीगढ़ गए हुए थे। इस संबंध में मकान मालिक ने चीका थाना पुलिस को शिकायत दी है। पुलिस ने शिकायत के आधार पर अज्ञात आरोपियों के खिलाफ केस दर्ज कर लिया है। गुरुद्वारा वाली गली चीका निवासी बलविंद्र कुमार ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि वे चार भाई हैं। एक महीने पहले वे भाई पवन अपने लड़के के पास बैंगलोर चले गए थे। घर को ताला लगा हुआ था। उसका दूसरा भाई कृष्ण भी एक महीने पहले चंडीगढ़ में अपनी नौकरी पर चला गया। अब 21 अगस्त को कृष्ण कुमार की पत्नी मीना रानी चंडीगढ़ से अपने बच्चों के साथ आई। उसने मेन गेट का ताला खोला तो देखा कि उसके घर के अन्दर चोरी हो चुकी थी। मकानों पर जो ताले लगे थे, वे बदले हुए थे। उनके घरों से मोटर साइकिल, इन्वर्टर, बैटरी, सिलेंडर, एक गैस चुल्हा, एक माइक्रो वेव, एलईडी, 20 सिक्के चांदी, 2 जोडी पाजेब, 50 ग्राम सोना, 25 हजार रुपए नकद व घर के बर्तन चोरी हो चुके थे।

विधायक ने बाबा खाटू श्याम व सालासर धाम जाने वाली बस को दिखाई झंडी

■ जनसेवा के क्षेत्र में एक और अनुकरणीय मिसाल पेश की

हरिभूमि न्यूज ▶▶| कैथल

कैथल। विधायक आदित्य सुरजेवाला पत्रकारों से बातचीत करते हुए।

विधायक आदित्य सुरजेवाला ने जनसेवा के क्षेत्र में एक और अनुकरणीय मिसाल पेश की है। उन्होंने कैथल हल्के के श्रद्धालुओं के लिए बाबा खाटू श्याम धाम और सालासर धाम की तीर्थ यात्रा को सुगम बनाने के लिए कैथल से दो निःशुल्क बसों की शुरुआत की है। आदित्य सुरजेवाला ने प्रेसवार्ता कर इस अनूठी पहल पर अपने विचार रखते हुए कहा कि हमारा लक्ष्य है कि हर श्रद्धालु को बाबा खाटू श्याम और सालासर धाम जैसे पवित्र स्थानों के दर्शन का अवसर मिले। यह सेवा हमारी उस प्रतिबद्धता का प्रतीक है, जो जनता के कल्याण और उनकी आस्था के सम्मान के लिए है। उन्होंने कहा कि कैथल से बाबा खाटू श्याम धाम व सालासर धाम में दर्शन हेतु निःशुल्क बस सेवा की यह पहल न केवल धार्मिक आस्था को बढ़ावा देगी, बल्कि उन लोगों के लिए भी वरदान साबित होगी जो आर्थिक तंगी के कारण पवित्र तीर्थ स्थलों के दर्शन नहीं कर पाते। इस सेवा के तहत श्रद्धालु अब एक समर्पित टोल-फ्री नंबर 9729730055 पर दुष्यंत शर्मा से संपर्क करके बस में सीट बुक कर सकते हैं,ताकि श्रद्धालु आसानी से अपनी यात्रा की योजना बना सकें। जिससे उनकी यात्रा निःशुल्क और सुविधाजनक होगी।

ये रहे मौजूद

यह सेवा समाज के हर वर्ग को जोड़ेगी और लोगों की आस्था को नया बल देगी। इस अवसर पर सुदीप सुरजेवाला, रामचंद्र गुर्जर ढांड, रामनिवास मित्तल, सोनू सेठ, सुरेन्द्र रांझा, विनोद सोनी, धर्म, महेश गोगिया, दिनेश शर्मा, नीलू भाटिया, विजय गर्ग आदि मौजूद रहे।

सती बोरखे पर शाह परिवार ने आयोजित किया भंडारा, उमड़ी श्रद्धालुओं की भीड़

हरिभूमि न्यूज ▶▶| कैथल

पूंडरी । सती बोरखे पर पूजा-अर्चना करता एक श्रद्धालु

पूंडरी के ऐतिहासिक सती बोरखे स्थल पर शाह परिवार (गोयल गोत्र) की ओर से भादवा माह की अमावस्या के उपलक्ष्य में भव्य और विशाल भंडारे का आयोजन किया गया। धार्मिक माहौल में आयोजित इस भंडारे में आसपास के गांवों के अलावा दूर-दराज़ इलाकों से भी हजारों श्रद्धालु पहुंचे और पवित्र स्थल पर श्रद्धा भाव से माथा टेककर आशीर्वाद प्राप्त किया। भादवा और दीपावली की अमावस्या को पितरों की शांति के लिए सबसे शुभ अवसर माना जाता है। इसी धार्मिक परंपरा का निर्वहन करते हुए श्रद्धालुओं ने अपने पितरों की आत्मिक शांति के लिए विशेष पूजा-अर्चना की। इस अवसर पर श्रद्धालुओं ने पंडितों को वस्त्र और दक्षिणा अर्पित कर पुण्य प्राप्त किया। धार्मिक अनुष्ठानों की गूंज से पूरे परिसर में आस्था और भक्ति का माहौल बना रहा। कार्यक्रम के दौरान सुबह से ही श्रद्धालुओं की भीड़ जुटनी शुरू हो गई थी, जो देर शाम तक जारी रही। भक्तों ने सती बोरखे में माथा टेकने के बाद भंडारे में प्रसाद ग्रहण किया और परिवार की ओर से किए गए आयोजन की जमकर सराहना की। शाह परिवार के सदस्य अशोक व मोहनलाल गोयल ने बताया कि यह आयोजन हर साल भादवा की अमावस्या पर किया जाता है।

हमारा लक्ष्य वित्तीय समावेशन में कैथल को आदर्श जिला बनाना है: एसके नंदा

■ पंजाब नेशनल बैंक द्वारा गांव बुच्ची व साकरा में संतृप्ति कार्यक्रम हुआ

हरिभूमि न्यूज ▶▶| कैथल

कैथल । ग्रामीणों को खाता कापी वितरित करते बैंक कर्मचारी फोटो : हरिभूमि

वित्त मंत्रालय के वित्तीय सेवा प्रभाग की ओर से बैंकों के माध्यम से एक जुलाई से 30 सितंबर तक वित्तीय समावेशन संतृप्ति अभियान चलाया जा रहा है। इसी कड़ी में पंजाब नेशनल बैंक द्वारा गांव बुच्ची व साकरा में संतृप्ति अभियान आयोजित किया गया।

इसमें काफी संख्या में ग्रामीणों ने भाग लिया और भारतीय रिजर्व बैंक के डीजीएम नवनीत, एलडीओ मंजीत, ग्रामीण बैंक के रिजनल मनेजर पीयूष ने विभिन्न योजनाओं की जानकारी दी। एलडीएम एसके नंदा ने बताया कि जिला प्रशासन द्वारा दिए गए निर्देशानुसार यह संतृप्ति अभियान प्रत्येक ग्राम पंचायत में वहां कार्यरत संबंधित बैंक शाखा द्वारा अग्रणी जिला प्रबंधक कैथल के संरक्षण में चलाया जा रहा है। जिला विकास एवं पंचायत विभाग का भी पूर्ण सहयोग मिल रहा है। हमारा लक्ष्य वित्तीय समावेशन में कैथल को आदर्श जिला बनाना है। इस अवसर पर बैंक मैनेजर भुवनेश, पंकज, मनोज एक्सिस बैंक, प्रवेश मोर सहित पंचायत में कार्यरत समस्त बीसी एजेंट, आंगनवाड़ी वर्कर्स, स्वयं सहायता समूह की सदस्य, वित्तीय साक्षरता सलाहकार, वित्तीय साक्षरता केंद्र के प्रतिनिधि एवं ग्रामीण स्वरोजगार प्रशिक्षण केंद्र के प्रतिनिधि मौजूद रहे।

अपराधिक हमले रोकने के लिए शिक्षक सेफ्टी एक्ट का गठन करे सरकार: रामफल दयोहरा

हरिभूमि न्यूज ▶▶| कैथल

■ हरियाणा में अध्यापकों पर लगातार हमले बढ़ रहे

हरियाणा विद्यालय अध्यापक संघ के राज्य प्रधान प्रभु सिंह, राज्य महासचिव रामपाल शर्मा, कैशियर संजीव सिंगला, वरिष्ठ उपप्रधान गुरमीत सिंह, उपमहासचिव कृष्ण नैन, संगठन सचिव सुखदर्शन सरोहा, प्रेस प्रवक्ता निशा, कार्यालय सचिव सत्यनारायण यादव, जिला प्रधान रामफल दयोहरा व जिला सचिव अमरनाथ किठानिया ने सयुक्त प्रैस विज्ञप्ति जारी करते हुए भिवानी जिले के राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय ढाणा लाडनपुर के हिंदी के प्राध्यापक शिवकुमार पर स्कूली बच्चे द्वारा किए गए कातिलाना हमले की कड़े शब्दों में निंदा करते हुए अध्यापकों पर बढ़ रहे आपराधिक हमले की रोकथाम हेतु शिक्षक सेफ्टी एक्ट बनाने की मांग की है। रामफल दयोहरा ने कहा कि हरियाणा में पिछले कुछ समय से अध्यापकों पर लगातार अपराधिक हमले बढ़ रहे हैं, जो बहुत ही चिंता का विषय है। उन्होंने बताया कि इसी जुलाई माह में ही हिसार जिले के एक स्कूल में प्रधानाचार्य की निर्मम हत्या और कैथल जिले के राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय सेरहदा में शिक्षक पर गंभीर रूप से हमला हुआ था। उन्होंने कहा कि बच्चों के हिंसक व्यवहार और अध्यापकों पर हमले के कई कारण हो सकते हैं। इन कारणों को समझना और उपाय लागू करना आवश्यक है।

टीजीटी अध्यापक सुरेन्द्र कुमार को मिलेगा ग्लोबल रोल मॉडल अवार्ड

हरिभूमि न्यूज ▶▶| कैथल

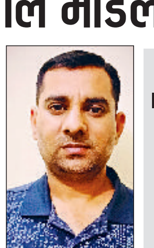

■ शिक्षा, विज्ञान नैतिक मूल्यों और समाज सेवा में उल्लेखनीय योगदान

राजकीय माध्यमिक विद्यालय अटेला कैथल में सेवारत विज्ञान अध्यापक सुरेन्द्र कुमार शर्मा को सामाजिक संस्था राह ग्रुप फाउंडेशन द्वारा ग्लोबल रोल मॉडल अवार्ड से सम्मानित किया जाएगा। यह सम्मान 5 अक्टूबर 2025 को जम्मू-कश्मीर की राजधानी श्रीनगर में आयोजित होने वाले भव्य समारोह में प्रदान किया जाएगा। यह जानकारी देते हुए राह ग्रुप फाउंडेशन के चेयरमैन नरेश सेलपाड़ ने बताया कि सुरेन्द्र कुमार शर्मा विद्यार्थियों को विज्ञान विषय में रुचि दिलाने के साथ-साथ उन्हें नैतिक मूल्यों, जीवन मूल्यों और सामाजिक जिम्मेदारी के प्रति जागरूक कर रहे हैं। वे बच्चों को सरकारी एवं गैर-सरकारी प्रतियोगिताओं के लिए तैयार करने में विशेष प्रयासरत हैं और स्वयं भी स्वस्थ जीवनशैली अपनाकर विद्यार्थियों को प्रेरित करते हैं। सुरेन्द्र कुमार शर्मा का मानना है कि शिक्षा का असली उद्देश्य केवल अंकों तक सीमित नहीं होना चाहिए, बल्कि बच्चों में अनुशासन, आत्मविश्वास और कर्तव्यनिष्ठा की भावना पैदा करना चाहिए। इसी सोच के चलते वे विद्यालय और समाज में एक आदर्श शिक्षक की भूमिका निभा रहे हैं। बाबा लदाना के मूल निवासी सुरेन्द्र शर्मा को यह प्रेरणा अपने पिता हुकम चंद शर्मा से मिली थी।

हलके के किसानों से प्राकृतिक खेती अपनाने का किया आह्वान

विधायक जांबा ने गुरुकुल कुरुक्षेत्र का किया दौरा

■ आने वाली पीढ़ियों को स्वस्थ और प्रदूषणमुक्त जीवन देने के लिए वृक्षारोपण जैसे प्रयास अत्यंत आवश्यक : सतपाल

हरिभूमि न्यूज ▶▶| पूंडरी

पूंडरी। विधायक सतपाल जांबा गुरुकुल कुरुक्षेत्र में प्राकृतिक खेती का अवलोकन करते हुए। फोटो : हरिभूमि

हल्का विधायक सतपाल जांबा शनिवार को गुरुकुल कुरुक्षेत्र में आयोजित पर्यावरण संरक्षण कार्यक्रम में पहुंचे। इस दौरान उन्होंने गुरुकुल परिसर में पौधारोपण कर स्वच्छ एवं हरित वातावरण का संदेश दिया। जांबा ने कहा कि आने वाली पीढ़ियों को स्वस्थ और प्रदूषणमुक्त जीवन देने के लिए वृक्षारोपण जैसे प्रयास अत्यंत आवश्यक हैं। विधायक ने इस अवसर पर गुरुकुल में स्थापित गुरु प्राकृतिक फार्म का भी दौरा किया। उन्होंने वहाँ अपनाए जा रहे जैविक एवं प्राकृतिक खेती के उत्कृष्ट मॉडल का अवलोकन कर इसे किसानों के लिए प्रेरणादायी बताया। उन्होंने कहा कि रासायनिक खादों और कीटनाशकों के अधिक प्रयोग से जहां भूमि की उर्वरक क्षमता घट रही है, वहीं मानव स्वास्थ्य पर भी दुष्प्रभाव पड़ रहा है। ऐसे में प्राकृतिक खेती ही टिकाऊ विकल्प है।उन्होंने भी पर्यावरण संरक्षण के लिए सामूहिक प्रयासों पर जोर दिया और इसे समाज की जिम्मेदारी बताया। विधायक जांबा ने कहा कि पौधारोपण और प्राकृतिक खेती जैसे प्रयास ही भविष्य में स्वच्छ, स्वस्थ और हरित भारत की नींव रखेंगे।

ये रहे मौजूद

जांबा ने पूंडरी हल्के के किसानों से अपील की कि वे इस तरह के जैविक खेती के मॉडल को अपनाकर कृषि में नए आयाम जोड़ें और साथ ही पर्यावरण संरक्षण में भी योगदान दें। उन्होंने कहा कि किसान यदि प्राकृतिक पद्धति से खेती करेंगे तो उत्पादन लागत कम होगी और फसलें भी अधिक गुणवत्तापूर्ण होंगी। इस मौके पर प्रधान राजकुमार, गुरुकुल कुरुक्षेत्र के संस्थापक रामनिवास और दीपक भी मौजूद रहे।

विवाह शगुन योजना सभी वर्गों के लिए सशक्त प्रयास

कैथल। डीसी प्रीति ने बताया कि हरियाणा सरकार द्वारा समाज के सभी वर्गों की बेटियों की शादी में आर्थिक सहयोग प्रदान करने के उद्देश्य से मुख्यमंत्री विवाह शगुन योजना संचालित की जा रही है। यह योजना आर्थिक रूप से कमजोर वर्गों को सशक्त बनाने और बेटियों के विवाह के लिए प्रोत्साहन देने का एक सराहनीय प्रयास है।

बोली सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय डीग (2250) जिला कैथल में नाकारा घोषित 8 कमरों की बोली दिनांक 04-09-2025 को दोपहर 12:30 बजे विद्यालय परिसर में होगी। इच्छुक बोलीदाता 04-09-2025 को 12:00 बजे तक 25000 रुपये की सिक्योरिटी राशि देकर बोली में भाग ले सकता है। बोली की बाकी नियम व शर्तें मौके पर बताई जाएंगी।

खबर संक्षेप

धान की फसल खराब होने पर जताई चिंता

पूंडरी। इनेलो नेता व वाटर पॉल्यूशन बोर्ड के पूर्व सदस्य रामप्रकाश गोगी कत्याल ने कहा कि फफूंदी व अन्य बीमारियों से जीरी की फसल बर्बाद हो गई है, जिससे किसान गहरा आर्थिक संकट आ गया है। सरकार और बीमा कंपनियों से मांग की कि वे तुरंत संज्ञान लें और प्रभावित किसानों को राहत प्रदान करें।

पराली प्रबंधन में हरियाणा नंबर-1: गुर्जर

पूंडरी। कांग्रेस सांसद दीपेंद्र हुड्डा के बयान पर भाजपा नेता अशोक गुर्जर ने कड़ा पलटवार करते हुए कहा कि प्रदेश की भाजपा सरकार ने पराली प्रबंधन को लेकर ऐतिहासिक कदम उठाए हैं। किसानों को राहत पहुंचाने के लिए अभूतपूर्व कार्य किए हैं। विपक्ष केवल भ्रम फैलाकर किसानों को गुमराह कर रहा है।

कैथल में दो युवकों ने की स्कूली छात्रा से छेड़छाड़

कैथल। शहर में दो युवकों द्वारा एक स्कूली छात्रा के साथ छेड़छाड़ करने और उसके कपड़े उतारने की कोशिश करने के आरोप में दो के खिलाफ मामला दर्ज किया है। कैथल के व्यक्ति ने बताया कि उसकी बेटी प्रतिदिन की भांति 22 अगस्त को स्कूल गई थी। वहां पर गौरव व विशाल ने उसके साथ छेड़छाड़ की। यही नहीं आरोपी उसे जबरन एकांत में ले गए तथा उसके कपड़े उतारने की कोशिश की।

वन मित्रों को तोहफ़ा, घोषणाओं से बढ़ी खुशी

कैथल। हरियाणा के पर्यावरण एवं वन मंत्री राव नरबीर सिंह ने गत दिवस वन मित्रों के हित में कई महत्वपूर्ण घोषणाएँ की हैं, जिनसे प्रदेशभर के वन मित्रों में उत्साह और खुशी का माहौल है। मंत्री ने ऐलान किया कि अब वन मित्रों को 15 हजार रुपए प्रति महीना मानदेय दिया जाएगा। इसके साथ ही उन्हें निजी स्थानों के साथ-साथ फॉरेस्ट की जगहों पर भी पौधारोपण करने की अनुमति दी जाएगी।

राजेश भारती को मिलेगा गंतव्य राष्ट्रीय सम्मान

कैथल। साहित्य सभा कैथल से जुड़े ज़िले के गाँव काकौत के युवा साहित्यकार पुरस्कार विजेता राजेश भारती को दिल्ली की संस्था गंतव्य संस्थान द्वारा आगामी तीस अगस्त को सम्मानित किया जायेगा। सभा के प्रेस सचिव डॉ० तेजिंद्र ने बताया कि राजेश भारती को यह सम्मान गंतव्य संस्था द्वारा दिल्ली के कांस्टिट्यूशनल कल्ब में आयोजित पच्चीसवें गंतव्य राष्ट्रीय सम्मान समारोह में प्रदान किया।

कांगथली गांव में मारपीट में एक घायल

कैथल। गांव कांगथली में हुई मारपीट में एक व्यक्ति घायल हो गया। उसे अस्पताल में दाखिल करवाया गया है। मदन सिंह ने बताया कि 3 अगस्त को सुबह गांव के ही जानो देवी, जागर राम, राजकुमार, अजय कुमार, अम और हैप्पी ने मिलकर उस पर हमला किया तथा हमले के बाद आरोपी फरार हो गए।

कांग्रेस ने पिछड़ा समाज के लिए कभी कुछ नहीं किया

पालवां में बनेगा भव्य वाल्मीकि भवन छात्रावास और ई-लाइब्रेरी: कृष्ण बेदी

2400 वर्ग गज जमीन में दाड़न खाप चबूतरे पालवां के पास बनने वाले भवन का पास मंत्री ने किया भूमि पूजन

हरिभूमि न्यूज ⏭उचाना

उचाना। दाडऩ खाप चबूतरा पालवां पर आयोजित सम्मान समारोह में मौजूद कैबिनेट मंत्री कृष्ण बेदी, विधायक देवेंद्र चतरभुज अत्री। *फोटो: हरिभूमि*

सर्व जातीय दाडऩ खाप चबूतरा पालवां के पास 2400 गज जमीन में बनने वाले वाल्मीकि भवन एवं छात्रावास निर्माण का शनिवार को भूमि पूजन किया। कैबिनेट मंत्री कृष्ण बेदी पहुंचे। विधायक देवेंद्र चतरभुज अत्री, असंध विधायक योगेंद्र राणा, बवानीखेड़ा विधायक कपूर वाल्मीकि एवं सोनीपत डीसी सुशील सारवन पहुंचे। प्रदेशभर से वाल्मीकि समाज के लोग कार्यक्रम में पहुंचे। भूमि पूजन के बाद सर्वजातीय दाडन खाप चबूतरा पालवां पर सम्मान समारोह का हुआ। हरियाणा वाल्मीकि महासभा के कार्यक्रम में खाप के प्रधान, सामाजिक संगठनों के प्रमुख लोगों को सम्मानित किया गया। कार्यक्रम की सफलता को लेकर बीते कई दिनों से अपनी टीम के साथ हरियाणा वाल्मीकि महासभा के प्रदेश महासचिव सत्यवान ढिलौड लगे हुए थे। मंत्री कृष्ण बेदी एवं विधायक देवेंद्र चतरभुज अत्री ने 31-31 लाख ग्रांट देने की घोषणा की। विधायक योगेंद्र राणा व कपूर वाल्मीकि ने 11-11 लाख का देने की घोषणा की। मंत्री ने कहा कि उचाना में अब तक कोई भी वाल्मीकि भवन एवं छात्रावास नही था। यहां पर 2400 गज में भव्य वाल्मीकि भवन एवं छात्रावास का निर्माण होगा। कांग्रेस ने कभी पिछड़ा समाज के लिए कुछ नही किया। हमेशा पिछड़ा समाज को दबाने की कोशिश की है। भाजपा जब से सत्ता में आई है तब से महापुरूषों की जयंती मना जाने लगी है। जब भी कोई कार्यक्रम होता था तो वो एक परिवारिक जयंती मनाई जाती थी। जो भी कोई यूनिवर्सिटी, कॉलेज सहित बड़े प्रोजेक्ट बनते थे वो मुख्यमंत्रियों के बाप, दादाओं के नाम पर बनते थे। जब से भाजपा सत्ता में आई है तब से महापुरूषों के नाम से संस्थान बनने लगे है। हिसार में जो एयरपोर्ट बना है वो भाजपा की देन है। हिसार के आसपास के साथ-साथ जींद जिले को भी इसका फायदा मिलेगा। रोजगार के अवसर बढ़ेंगे। पत्रकार वार्ता में कैबिनेट मंत्री कृष्ण बेदी ने कहा कि वाल्मीकि भवन एवं छात्रावास के निर्माण के बाद नई जागृति समाज एवं क्षेत्र में आएगी। छात्रावास बच्चों के लिए प्रेरणा बनेगी।

कोई भी लड़े चुनाव

अभय सिंह चौटाला के बयान पर पलटवार करते हुए अत्री ने कहा कि लोकतंत्र के कोई भी अपनी बात कह सकता है कोई भी चुनाव लड़ सकता है। आम परिवार के युवा बड़े लोगों से पूछ कर चुनाव नहीं लड़ेगे उनसे परमिशन लेकर चुनाव नहीं लड़ेंगे। हर व्यक्ति स्वतंत्र है चुनाव लड़ सकता है। कई सीटों पर त्रिकोणीय मुकाबले हुए है। सभी को अपना भाग्य आजमाना चाहिए। विकसित उचाना का जो सपना है वो पूरा होगा। विकसित भारत विकसित हरियाणा विकसित उचाना की सोच से आगे बढ़ रहे है।

मनीक्षा मामला: बेवजह विवाद बढ़ा रहा विपक्ष

भिवानी के मनीषा हत्याकांड पर कांग्रेस के आरोपों पर बोलते हुए बेदी ने कहा कि विपक्ष बेवजह की बात कर रहे है। दूध का दूध पानी का पानी हो चुका है। मनीषा के पिता ने भी कह दिया है कि मेरी बेटी की लाश पर राजनीति न करो। सीबीआई जांच, बोर्ड से पोस्टमार्टम, रोहतक से पोस्टमार्टमए एम्स से पोस्टमार्टम जो भी उनकी मांग थी वो सभी मांगे सरकार ने मानी। कांग्रेस राजनीति कर रही है। कांग्रेस अपने समय का सुशीला अपना घर कांड भूल गई। जिस प्रकार से कांग्रेस के राज में गोहाना, मिर्जपुर कांड हुए उन्हें भूल गई। अपने कार्यकाल में कांग्रेस मामले दर्ज तक नहीं करते थे। मनीष को न्याय मिल जाएगा। जिस तरह से कांग्रेस राजनीति कर उसको समाज देख रहा है। आज लोगों का कांग्रेस से विश्वास उठ चुका है। विधायक देवेंद्र चतरभुज अत्री ने कहा कि भगवान वाल्मीकि भवन एवं छात्रावास के निर्माण को लेकर भूमि पूजन हुआ है। कांग्रेस उम्मीदवार रहे बृजेंद्र सिंह द्वारा दर्ज याचिका पर बोलते हुए विधायक ने कहा कि कोर्ट ये मामला अदालत में लंबित है इस पर ज्यादा टिप्पणी नहीं करूंगा कानूनी लड़ाई है हम लडेंगे।

नरवाना। प्राथमिक स्कूलों के शिक्षकों के साथ बैठक में मौजूद खंड शिक्षा अधिकारी राजेंद्र आजाद। *फोटो: हरिभूमि*

छोटे बाल मनों को मशीन नहीं इंसान बनाएं: आजाद

- बीईओ ने प्राथमिक स्कूलों के शिक्षकों के साथ की बैठक

हरिभूमि न्यूज ⏭नरवाना

नरवाना के प्राथमिक स्कूलों के मुखिया और शिक्षकों की बैठक कॉन्फ्रेंस हाल लघु सचिवालय में आयोजित की गई। इस महत्वपूर्ण बैठक की अध्यक्षता खंड शिक्षा अधिकारी राजेंद्र आजाद ने की। कार्यक्रम का मंच संचालन खंड शिक्षा मीडिया प्रभारी राजेश टांक ने करते हुए सबसे पहले प्राथमिक शिक्षकों की इस प्रथम बैठक में समस्त सदन की तरफ से भी बीईओ राजेंद्र आजाद को पदभार ग्रहण करने की बधाई दी। इस बैठक के मुख्य उद्देश्य प्राथमिक स्कूलों में शिक्षा के स्तर को और अधिक ऊंचा उठाने के लिए विद्यार्थियों के पठन-पाठन में आने वाली समस्याओं के बारे मेंएअनेक प्रकार की समस्याओं के बारे विचार विमर्श और निदान की बात करके नई शिक्षण पद्धतियों से विद्यार्थियों को रूबरू करवाने पर रहा। बीईओ कार्यालय में अवकाश होने के बाद भी 11 क्लस्टरों की मीटिंग दो भागों में हुई। नरवाना खंड के 72 प्राथमिक स्कूलों से लगभग 130 शिक्षकों ने भाग लिया। उन्होंने कहा कि हम सबको मिलकर नरवाना क्षेत्र की प्राथमिक शिक्षा के स्तर को ऊंचा उठाने के लिए आप शिक्षकों द्वारा सुझाए गए प्रस्तावों के साथ-साथ प्रार्थना सभा में समाचार पत्र के शीर्षक, नैतिक शिक्षा से संबंधित छोटे-छोटे संवाद, सामान्य ज्ञान, चुटकुले कहानी शामिल करके विद्यार्थियों के चहुमुखी विकास के लिए कार्य करते हुए व्यक्तित्व निर्माण पर जोर देना है।

खंड शिक्षा अधिकारी ने किया राजकीय स्कूल नरवाना का दौरा

खंड शिक्षा अधिकारी राजेंद्र आजाद ने शनिवार को राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय नरवाना का दौरा किया। इस दौरान उन्होंने विद्यालय में चल रही एनएसएस यूनिट के बारे में जानकारी ली और एनएसएसके बच्चों से रूबरू हुए। उन्होंने बच्चों को बताया कि विद्यालय वह मंदिर है जहां बच्चों का सर्वांगीण विकास किया जाता है, चाहे वह किसी भी क्षेत्र में हो।

रोटरी मिडटाउन ने किया पौधरोपण

- जरूरतमंद बच्चों को किए बैग वितररित

हरिभूमि न्यूज ⏭जींद

जींद। पौधारोपण करते हुए संस्था सदस्य। *फोटो: हरिभूमि*

रोटरी जींद मिडटाउन द्वारा शनिवार को पीएमश्री राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय बिशनपुरा में पौधरोपण जरुरतमंद बच्चों को स्कूल बैग वितरण, बैठने के लिए दरी वितरण तथा पर्यावरण सरंक्षण विषय पर आयोजित आरवाईएल कार्यक्रम में उत्तम भाषण से अभिभूत करने वाले छात्राओं को सम्मानित किया गया। मायाराम देवली ने बताया कि इस स्कूल को रोटरी मिडटाउन जींद द्वारा स्कूल में जरूरतमंद बच्चों के लिए सभी सहायता दी जा रही है। पीएम श्री राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय बिशनपुरा में बच्चों के लिए स्कूल बैग उपलब्ध कराए गए हैं और साथ ही बैठने के लिए तीन बड़ी दरियों का इंतजाम भी कराया गया है। इसके साथ स्कूल प्रांगण में 25 फलदार व 25 फूलदार पौधे क्लब सदस्यों तथा स्कूल बच्चों द्वारा समस्त प्राध्यापकों की उपस्थिति में लगवाए गए। इस अवसर पर स्कूल स्टाफ के अलावा रोटरी मिटाउन जींद प्रधान तरुण जैन की अध्यक्षता में आयोजित किया। डिस्ट्रिक्ट ऑफिसर माया राम देवली व वरिष्ठ रोटेरियन आरके जैन ने बच्चों को संबोधित किया।

इंडस स्कूल में हैप्पीनेस प्रोग्राम का समापन

- प्रतिभागियों को योग, प्राणायाम, ध्यान तथा सुदर्शन क्रिया का अनुभव करवाया

हरिभूमि न्यूज ⏭जींद

जींद। सुदर्शन क्रिया करते हुए साधक। *फोटो: हरिभूमि*

इंडस पब्लिक स्कूल में आर्ट ऑफ लिविंग के हैप्पीनेस प्रोग्राम का समापन शनिवार को उत्साह और उमंग के साथ हुआ। तीन दिवसीय कार्यक्रम में मनोवैज्ञानिक नरेश जागलान एवं शिक्षिका संगीता पटपटिया ने प्रतिभागियों ने योग, प्राणायाम, ध्यान तथा सुदर्शन क्रिया जैसी अद्वितीय तकनीकों का अनुभव करवाया। सुदर्शन क्रियाएं जो आर्ट ऑफ लिविंग के संस्थापक गुरुदेव श्रीश्री रविशंकर द्वारा विकसित की गई हैं, प्रतिभागियों के लिए ऊर्जा, शांति और आनंद का गहरा अनुभव लेकर आई। कार्यक्रम के दौरान सभी ने तनावमुक्त जीवन, सकारात्मक सोच और खुशहाल जीवन जीने के उपाय सीखे। कार्यक्रम में उपस्थित प्रतिभागियों ने अपने अनुभव सांझा करते हुए कहा कि यह कोर्स उनके जीवन में नई ऊर्जा, आत्मविश्वास और आनंद लेकर आया है। इसे मानसिक शांति पाने का माध्यम बताया तो किसी ने सुदर्शन क्रिया ने उनके भीतर गहरी स्थिरता और संतुलन पैदा किया।

नकारात्मकता से दूर रहें

समापन अवसर पर प्रशिक्षकों ने बताया कि आर्ट ऑफ लिविंग के इन कोर्सेज का मुख्य उद्देश्य समाज में खुशहाली, स्वास्थ्य और आपसी सद्भाव को बढ़ाना है। आर्ट ऑफ लिविंग जींद जिला विकास समिति के सदस्य कपिल जैन, पवन गौडिया व वरुण बजाज ने बताया कि यह क्रिया व्यक्ति को क्रोध उदासी, डर जैसी नकारात्मक भावना से मुक्त कर भावनात्मक संतुलन प्रदान करती है और इसके नियमित अभ्यास से मन शांतए स्थिर और अधिक एकाग्र होता है।

कसान गांव में पोषण महापंचायत आयोजित

- सुपरवाइजर सावित्री देवी ने की कार्यक्रम की अध्यक्षता।

हरिभूमि न्यूज ⏭राजौंद

राजौंद। कार्यक्रम में मौजूद महिलाएं आंगनवाड़ी वर्कर। *फोटो: हरिभूमि*

गांव कसान आंगनवाड़ी केंद्र में सुपरवाइजर सावित्री देवी की अध्यक्षता में पोषण महापंचायत का आयोजन किया गया। इनमें उन माताओं को शामिल किया गया जिनके बच्चों का कद व वजन सामान्य से कम था। बैठक में सुपरवाइजर सावित्री देवी ने माताओं को पोषण थाली दिखाकर बताया कि बच्चे के लिए पोषण आहार बहुत जरूरी हैं। उन्होंने कहा कि रोजमर्रा के भोजन में हरी पत्तेदार सब्जिया, सलाद, मौसमी फल, दालें,दूध, दही तथा प्रोटीन और विटामिन से भरपूर आहार शामिल करने से बच्चों का स्वास्थ्य बेहतर होता हैं। उन्होंने कहा कि हमें अपने बच्चों को बाहर का खाना नहीं देना चाहिए इससे उनका स्वास्थ्य पर कुप्रभाव पड़ता है। इसके साथ साथ उन्होंने साफ सफाई पर भी जोर दिया। उन्होंने अपने आस पास सफाई रखनी चाहिए और खाने से पहले साबुन से हाथ धो कर खाना चाहिए। इस दौरान स्वास्थ्य विभाग से ए एन एम गीता ने बताया कि आयरन फोलिक एसिड की गोलियां व टेटनस के दो टीके अवश्य लगाएं। दिन में पौष्टिक आहार पांच बार ले और पर्याप्त आराम करें। प्रसव अस्पताल में ही करवाएं और जन्म के तुरन्त बाद मां पहला गाढा दूध अवश्य पिलाएं। इस दौरान आंगनवाड़ी कार्यकर्ता नीलम, सुदेश, पिंकी, कविता, किरनपति, चंद्रावती, ए एन एम गीता और ग्रामीण मौजूद रहे।

नशा तस्करों के घरों को खंगाला

- नशा मुक्त हो जिला अभियान के तहत पुलिस की बड़ी कार्रवाई।

हरिभूमि न्यूज ⏭कैथल

कैथल। संदिग्ध नशा तस्करों के घर पर जांच व पूछताछ करते पुलिसकर्मी।

जिला पुलिस द्वारा "नशा मुक्त हो जिला" अभियान के अंतर्गत नशे के खिलाफ सख्त कदम उठाते हुए शनिवार को थाना राजौंद, कलायत, पूंडरी व चीका क्षेत्र में संदिग्ध नशा तस्करों पर बड़ी कार्रवाई की। एसपी आस्था मोदी के निर्देशन व डीएसपी कुलदीप बेनीवाल की निगरानी में इस विशेष अभियान को अंजाम दिया गया।

इसमें करीब 100 पुलिस अधिकारी व कर्मचारी की 10 टीमों का गठन किया गया, जिन्होंने एक साथ विभिन्न गांवों के लगभग 50 घरों की गहन तलाशी ली और संदिग्ध गतिविधियों पर कड़ी नजर रखी। पुलिस टीमों ने गांवों में जाकर स्थानीय लोगों, युवाओं व वरिष्ठ नागरिकों से बातचीत की और संदिग्ध व्यक्तियों की पहचान सुनिश्चित की। साथ ही आमजन को नशे की लत से दूर रहने व समाज को नशा मुक्त बनाने के लिए जागरूक भी किया गया।

फिजिकल काउंसलिंग से दाखिले

हरिभूमि न्यूज ⏭जींद

राजकीय महाविद्यालय प्राचार्य सत्यवान मलिक।

- 28 अगस्त तक इच्छुक छात्र ऑनलाइन आवेदन कर ले सकते हैं दाखिले

महाविद्यालयों में यूजी कोर्स में रिक्त सीटों पर दाखिले के लिए 28 अगस्त तक फि जिकल काउंसिलिंग के तहत दाखिले लिए जाएंगे। इच्छुक विद्यार्थी दाखिले के लिए पोर्टल पर ऑनलाइन आवेदन करने के बाद दस्तावेज लेकर कॉलेज परिसर में आना होगा। इसके बाद विद्यार्थियों के दाखिले होंगे। राजकीय कॉलेज में अलग-अलग संकायों में निर्धारित 1630 सीटों पर 1397 विद्यार्थियों के दाखिले हो चुके हैं। जबकि 233 सीट खाली बची हुई हैं।

इन संकायों में रिक्त सीटें

बीएससी इन फि जिकल साइंस में 300 में से 168 सीट, बीकॉम में 220 में से 15 व बीए विद मेजर इन मैथ में 40 में से 10 सीट खाली हैं। जबकि बीए, बीएससी इन लाइफ साइंस, बीसीएए बीए ज्योग्राफी ए बीए हिस्ट्रीए बीए इंग्लिश, बीबीए व बीए विद मेजर इन इकोनॉमिक्स में सीट भरी हुई हैं। जिलेभर में राजकीय व निजी 17 कॉलेजों व सीआरएसयू में लगभग साढ़े 11 हजार सीट हैं। जिलेभर के विभिन्न कॉलेजों में लगभग 15 प्रतिशत सीट खाली बची हुई हैं।

निदेशालय ने दाखिलों के लिए अब 28 अगस्त तक खोला पोर्टल

राजकीय महाविद्यालय के प्राचार्य सत्यवान मलिक ने बताया कि यूजी कोर्स में दो मेरिट लिस्ट और फिजिकल काउंसलिंग के बाद भी कॉलेज में कुछ सीट खाली रह गई थी। खाली सीटों पर दाखिले के लिए उच्चतर शिक्षा विभाग ने दोबारा से 28 अगस्त तक पोर्टल खोला है। जिन पर फि जिकल काउंसलिंग के तहत दाखिल प्रक्रिया के तहत सीट भरी जाएंगी। जो विद्यार्थी दाखिले से वंचित रह गए थेए उन्हें चाहिए कि निर्धारित समय में दाखिला लें।

सात सितंबर को अग्रसेन स्कूल में परिचय सम्मेलन का आयोजन

युवाओं के भविष्य के लिए बनेगा मिल का पत्थर

हरिभूमि न्यूज ⏭जींद

जींद। रिचय सम्मेलन की जानकारी देते बजरंग दास गर्गए उनके साथ है प्रधान राजकुमार गोयल। *फोटो: हरिभूमि*

महाराजा अग्रसेन स्कूल में होने वाला परिचय सम्मेलन एक ऐतिहासिक सम्मेलन होगा जो समाज की एकता और युवाओं के भविष्य के निर्माण में मील का पत्थर साबित होगा। यह वक्तव्य हरियाणा प्रदेश व्यापार मंडल के प्रदेश अध्यक्ष बजरंग दास गर्ग ने दिया। गर्ग यहां अखिल भारतीय अग्रवाल समाज जींद की पदाधिकारियों की एक बैठक को संबोधित कर रहे थे। इस अवसर पर अग्रवाल समाज के प्रदेश अध्यक्ष राजकुमार गोयल, व्यापार मंडल के जिला प्रधान महावीर कंप्यूटर, व्यापार मंडल के नगर प्रधान रामविलास मित्तल, अग्रोहा धाम से जिला प्रधान आईडी गोयल सहित अनेक गणमान्य लोग मौजूद रहे। इस अवसर पर अपने संबोधन में बजरंग दास गर्ग ने कहा कि अखिल भारतीय अग्रवाल समाज द्वारा सात सितंबर को जींद में जो ऐतिहासिक परिचय सम्मेलन का आयोजन किया जा रहा है, उसके लिए प्रधान राजकुमार गोयल व उनकी पूरी टीम सराहना की पात्र हैं। उन्होंने कहा कि वे अपनी तरफ से इस पुण्य कार्य की सफलता की बधाई देते है। ऐसे आयोजन समाज को नई दिशा देने का काम करते हैं। गर्ग ने कहा कि परिचय सम्मेलन आज के समय की एक महत्वपूर्ण आवश्यकता है। बदलते सामाजिक परिवेश में विवाह हेतु योग्य जीवनसाथी की तलाश कई बार परिवारों के लिए चुनौतीपूर्ण हो जाती है।

जीने के लिए सही निर्णय लेने की मिलती है शक्ति

ईश्वर गोयल व अशोक गोयल ने कहा कि परिचय सम्मेलन समाज के युवाओं को जागरूक बना कर उन्हें अपने जीवन के लिए सही निर्णय लेने की शक्ति देता है। इसके माध्यम से अनेक सफल परिणय निकलते हैं जिनसे परिवारों में खुशहाली और समाज में एकजुटता बढ़ती है। निसंदेह परिचय सम्मेलन आज के समय में विवाह योग्य युवक युवतियों को जोडऩे का सबसे सशक्त और प्रभावी माध्यम है जो न केवल व्यक्तिगत जीवन को दिशा देता है बल्कि समाज को भी नई ऊर्जा और प्रेरणा प्रदान करता है।

भगवान गणपति के प्रसिद्ध-भव्य मंदिर

विशेषः गणेश चतुर्थी
27 अगस्त

आवरण कथा
रजनी अरोड़ा

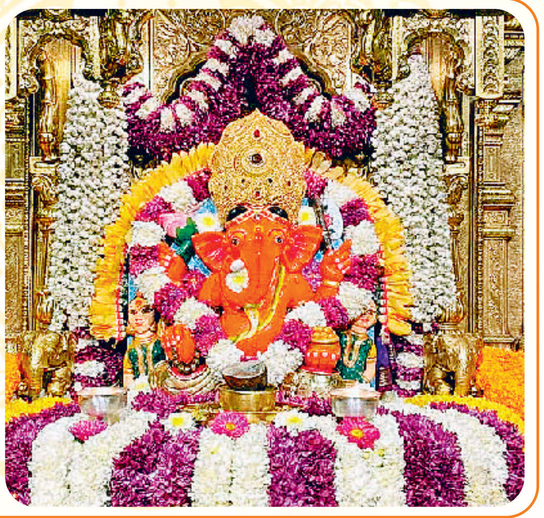

भारतीय धार्मिक परंपराओं में भगवान गणेश का स्थान सभी देवताओं में सर्वप्रथम पूज्यनीय माना जाता है। प्रतिवर्ष भाद्रपद मास के शुक्ल पक्ष की चतुर्थी तिथि को गणेशोत्सव मनाया जाता है। इस अवसर पर देश के अलग-अलग राज्यों में स्थित भगवान गणेश के मंदिरों में बड़ी संख्या में श्रद्धालु एकत्रित होते हैं। इनमें से कुछ भव्य-प्रसिद्ध मंदिरों के बारे में यहां बता रहे हैं।

श्री सिद्धिविनायक मंदिर (मुंबई) महाराष्ट्र

यह भारत में गणेश जी के सबसे प्रसिद्ध मंदिरों में से एक है। इस मंदिर का निर्माण 1801 में लक्ष्मण विठु और देउबाई पाटिल ने कराया था। इस मंदिर में गणपति बप्पा की प्रतिमा को काले पत्थर पर तराश कर बनाया गया है और गणपति जी अपनी दोनों पत्नी रिद्धि-सिद्धि के साथ यहां विराजमान हैं। पहले सिद्धिविनायक मंदिर की मूल संरचना काफी छोटी थी, लेकिन बाद में इस मंदिर का पुनर्निर्माण कराया गया। आज यह मंदिर पांच मंजिला बन चुका है। यहां गणेश जी को सिद्धिविनायक कहा जाता है, क्योंकि उनकी मूर्ति की सूंड़ दाईं ओर मुड़ी हुई है और सीधी पेट से जुड़ी हुई है। गणेशजी को नवसाचा गणपति भी कहा जाता है, जिसका अर्थ है कि अगर आप सच्चे मन से कुछ मांगते हैं, तो वह अवश्य प्राप्त होता है। यहां रोजाना लाखों की संख्या में भक्त गणपति बप्पा के दर्शन के लिए आते हैं। मंदिर प्रांगण में एक अस्पताल भी है, जहां लोगों का मुफ्त इलाज किया जाता है। इसके अलावा मंदिर में रसोईघर, प्रवचन मंडप और गणेश संग्रहालय भी हैं। *

उच्ची पिल्लैयार मंदिर तमिलनाडु

तिरुचिरापल्ली के रॉकफोर्ट के शिखर पर यह मंदिर स्थित है। पल्लवों द्वारा चट्टान को काटकर निर्मित कराए गए इस मंदिर की शैल वास्तुकला अद्भुत है। इस मंदिर की कहानी रामायण काल से जुड़ी हुई है। रावण को पराजित करने के बाद भगवान राम ने विष्णु जी की एक मूर्ति विभीषण को लंका ले जाने के लिए दी थी। देवी-देवता ऐसा नहीं चाहते थे। इसलिए गणेश जी ने एक ग्वाले का रूप लिया और विभीषण को मूर्ति लंका ले जाने से रोका। विभीषण ने क्रोधित होकर उस ग्वाले के सिर पर वार किया, जिससे उसके सिर पर एक निशान पड़ गया। उसके बाद गणेश जी अपने असली रूप में आए। विभीषण ने उनसे माफी मांगी। आज भी इस मंदिर में स्थापित प्रतिमा के सिर पर एक निशान है। इस मंदिर तक पहुंचने के लिए 417 सीढ़ियां चढ़नी पड़ती हैं। यहां रोजाना भगवान गणेश की 6 आरतियां की जाती हैं। 10 दिन का गणेश चतुर्थी उत्सव यहां बेहद धूमधाम से मनाया जाता है। *

कनिपक्कम विनायक मंदिर आंध्र प्रदेश

चित्तूर में स्थित कनिपक्कम विनायक, गणपति का एक विशेष मंदिर है। यह मंदिर नदी के बीचों-बीच स्थित है। इस मंदिर को 11वीं सदी में चोल राजा कोलोत्तुंग चोल प्रथम ने बनवाया था। बाद में 14वीं सदी के प्रारंभ में विजयनगर साम्राज्य के शासकों ने इस मंदिर का विस्तार कराया। यह मंदिर अपनी प्राचीन शिल्प कला और खूबसूरत डिजाइन के लिए विख्यात है। यहां गणेश जी की मूर्ति स्वयंभू (स्वतः प्रकट) है। लेकिन पिछले कई सालों से चमत्कार स्वरूप इस मंदिर में भगवान गणेश की मूर्ति के पेट और घुटने का आकार लगातार बढ़ रहा है। यहां ब्रह्मोत्सवम और गणेश चतुर्थी का उत्सव 21 दिनों तक चलता है। इस मंदिर को पानी के देवता का मंदिर भी कहा जाता है। तिरुपति मंदिर से 75 किलोमीटर दूर स्थित इस मंदिर में भक्त प्रथम पूज्य गणेश के दर्शन के लिए जरूर आते हैं। मान्यता है कि यहां पवित्र जल में डुबकी लगाने से सभी समस्याओं का समाधान हो जाता है। *

रणथंभौर त्रिनेत्र गणेश मंदिर राजस्थान

यह मंदिर राजस्थान प्रांत में सवाई माधोपुर जिले में स्थित है, जिसे 10वीं सदी में रणथंभौर के राजा हमीर ने बनवाया था। यह विश्व धरोहर में शामिल रणथंभौर दुर्ग के भीतर बना है। यहां गणेश जी को रणतभंवर रणक भंवर नाम से भी जाना जाता है। पूरी दुनिया में यह ऐसा अनूठा मंदिर है, जहां गणेश जी की मूर्ति का रंग नारंगी है और अपने पिता शिवजी के समान तीन नेत्रों को धारण करके विराजमान हैं। इसकी एक और खासियत है कि यहां भगवान गणेश के पूरे परिवार को स्थापित किया गया है। इसमें गणेश जी अपनी दोनों पत्नियों रिद्धि-सिद्धि और पुत्रों शुभ-लाभ के साथ शोभायमान हैं। पौराणिक मान्यता है कि हजारों साल पहले भगवान श्रीकृष्ण और रुक्मणि के विवाह का निमंत्रण-पत्र इस मंदिर में भेजा गया था। तब से यह मंदिर भगवान को निमंत्रण-पत्र भेजने के लिए मशहूर है। स्थानीय लोगों के घर जब कभी शादी-ब्याह जैसा कोई मंगल कार्य होता है, तो वो सबसे पहले गणेश जी के नाम कार्ड भेजना नहीं भूलते, यानी अपना न्यौता रणथंभौर के गणेश मंदिर में देते हैं। गणेश चतुर्थी के मौके पर यहां हर साल भव्य गणेश मेला भी लगता है। *

बड़े गणेश जी का मंदिर म.प्र.

मध्य प्रदेश के उज्जैन में प्रसिद्ध महाकालेश्वर मंदिर के पास स्थित बड़े गणेश जी का यह भव्य मंदिर है। इस मंदिर में स्थापित गणपति जी की प्रतिमा विश्वभर में स्थापित विशाल मूर्तियों में से एक है, जिसका निर्माण महर्षि गुरु महाराज सिद्धांत वागेश पं. नारायण जी व्यास ने करवाया था। गणपति बप्पा की इस मूर्ति में सीमेंट के बजाय गुड़ और मेथी दानों के साथ ईंट, चूने और रेत का प्रयोग किया गया है। मूर्ति को बनाने में सभी पवित्र तीर्थ स्थलों का जल और सात मोक्षपुरियों-मथुरा, द्वारिका, अयोध्या, कांची, उज्जैन, काशी और हरिद्वार से लाई हुई मिट्टी भी मिलाई गई है। इस वजह से इस मंदिर की मान्यता और बढ़ गई है। *

बाल गणपति मंदिर गोवा

गोवा के पोंडा में स्थित यह मंदिर भगवान गणेश के बाल स्वरूप को समर्पित है। जहां उनकी पूजा छोटे बच्चे के रूप में की जाती है। मंदिर का वातावरण अत्यंत शांत और भक्तिमय है, जो भक्तों को अलग तरह का आध्यात्मिक अनुभव प्रदान करता है। मंदिर की वास्तुकला गोवा की पारंपरिक और आधुनिक शैलियों का सुंदर समायोजन है। यहां बड़ी संख्या में श्रद्धालु और पर्यटक दर्शन के लिए आते हैं। मान्यता है कि यहां दर्शन करने से जीवन में आने वाले संकट दूर होते हैं और मनोकामनाएं पूरी होती हैं। गणेश चतुर्थी के अवसर पर यहां विशेष पूजा-अर्चना, भजन-कीर्तन और शोभायात्रा का आयोजन किया जाता है। *

गणेश चतुर्थी से पूरे देश और विशेषकर महाराष्ट्र में गणेशोत्सव का उल्लास देखते ही बनता है। सामाजिक और सांस्कृतिक एकता के प्रतीक इस उत्सव का ऐतिहासिक महत्व भी कम नहीं है। यहां इसके शुभ मुहूर्त और पूजन के बारे में भी बता रहे हैं।

सामाजिक-सांस्कृतिक एकता का अद्वितीय प्रतीक है गणेशोत्सव

पर्वोल्लास / आर.सी. शर्मा

गणेश चतुर्थी यानी देशभर में मनाया जाने वाला गणेशोत्सव का पर्व महज धार्मिक पर्व भर नहीं है। यह हमारे देश की सामाजिक और सांस्कृतिक एकता का एक मजबूत प्रतीक भी है।

प्रतिमा स्थापना-पूजनः गणेश चतुर्थी का पर्व हर साल भाद्रपद माह की शुक्ल पक्ष की चतुर्थी तिथि के दिन मनाया जाता है। इस दिन देशभर में बड़ी धूमधाम से गणपति प्रतिमाओं की स्थापना होती है। इस साल 26 अगस्त 2025 की दोपहर 1 बजकर 54 मिनट से प्रारंभ होकर 27 अगस्त 2025 की रात तक गणपति स्थापना का शुभ मुहूर्त है। इस तरह दो दिन से लेकर 10 दिन तक मनाए जाने वाले गणेशोत्सव की शुरुआत 27 अगस्त 2025 से होगी। इस साल 27 अगस्त को गणपति स्थापना के बाद 6 सितंबर 2025 यानी अनंत चतुर्दशी के दिन तक यह पर्व मनाया जाएगा। इसके बाद गणपति विसर्जन होगा।

अगर कर रहे प्रतिमा स्थापितः गणेश पुराण के मुताबिक गणेश चतुर्थी को भगवान गणेश का जन्म हुआ था। इसलिए भक्तगण इस दिन अपने घरों या सार्वजनिक पूजा स्थलों पर गणेश प्रतिमा स्थापित करते हैं। अगर आप पहली बार अपने घर में विघ्न विनाशक गणपति बप्पा की प्रतिमा स्थापित कर रहे हैं तो कुछ बातों का विशेष रूप से ध्यान रखें। जिन गणेश प्रतिमाओं में उनकी सूंड़ बाईं तरफ होती है, ऐसी प्रतिमाओं को घर लाना शुभ माना जाता है। अगर इस बार आपका पहला गणपति स्थापना उत्सव है, तो अपने घर बैठी हुई प्रतिमा ही लाएं, जो सुख, समृद्धि का प्रतीक होती है। भगवान गणेश की प्रतिमा स्थापना हमेशा ईशान कोण में करनी चाहिए।

गणपति प्रतिमा स्थापना काठ की चौकी पर करना सबसे पवित्र होता है। लेकिन इस चौकी में गणपति स्थापना के पहले इसकी गंगा जल से पवित्र कर लेना चाहिए। गंगा जल और पंच द्रव्यों से चौकी की धुलाई करने के बाद उस पर लाल कपड़ा बिछाकर भगवान गणेश को प्रतिस्थापित करना चाहिए। ध्यान रखें, आपकी स्थापित मूर्ति में गणेश जी का हाथ आशीर्वाद देती मुद्रा में होना चाहिए और उनके दूसरे हाथ में मोदक होना चाहिए। भगवान गणेश की ऐसी प्रतिमा को सबसे शुभ माना जाता है।

महाराष्ट्र का भव्य पर्वः यूं तो पूरे देश में गणेश चतुर्थी का पर्व खूब धूम-धाम से मनाया जाता है। लेकिन महाराष्ट्र में इस पर्व को लेकर देश में सबसे ज्यादा उल्लास होता है। हो भी क्यों न, आखिर आधुनिक गणेश उत्सव की शुरुआत सन 1893 में महाराष्ट्र से ही हुई थी। लोकमान्य बाल गंगाधर तिलक ने 1893 में गणेश चतुर्थी के पर्व को आधुनिक सार्वजनिक उत्सव का रूप दिया और इस तरह अंग्रेजों के विरुद्ध देशवासियों को सामाजिक एकता के जरिए एकत्रित किया। आज का गणेशोत्सव बहुत कुछ उसी दौर की परंपरा का विस्तार है। यहां गणेशोत्सव सामुदायिक भावना, संगीत, नृत्य, कला, अनुराग और मिलन का इंद्रधनुषी पर्व बन चुका है। इसलिए महाराष्ट्र में यह पर्व धार्मिकता से बढ़कर पहचान और सांस्कृतिक विरासत के उत्सव का रूप ले चुका है। हालांकि महाराष्ट्र में भी यूं तो गणेशोत्सव हर गली, हर घर और हर मुहल्ले में किसी न किसी रूप से मनाया जाता है। लेकिन मुंबई और पुणे ये दो ऐसे शहर हैं, जहां गणेशोत्सव सबसे ज्यादा धूमधाम के साथ मनाया जाता है। मुंबई और पुणे में यह पर्व उत्सव की धूम के साथ-साथ हर साल बढ़ती भव्यता के रूप में भी देखा जाता है। महाराष्ट्र राज्य में गणेशोत्सव को राज्योत्सव के रूप में मनाया जाता है। इसलिए यहां सिर्फ घरों में ही नहीं मैदानों और सोसाइटीज में भी गणपति के भव्य पंडाल लगाए जाते हैं और अगले दस दिनों तक पूरे राज्य में गणपति बप्पा के जयकारे गूंजते हैं। महाराष्ट्र का भव्य गणेशोत्सव आज न सिर्फ भारत में, विदेशों में भी अपनी पहचान कायम कर चुका है।

मुंबई-पुणे की प्रसिद्ध गणेश पूजाः मुंबई में लालबागचा का राजा यानी लाल बाग में स्थापित की जाने वाली गणेश प्रतिमा का उत्सव सबसे ज्यादा धूमधाम से मनाया जाता है। लालबाग के पंडाल में गणेश प्रतिमा स्थापित हो जाने के बाद यहां महाराष्ट्र और देश-विदेश के कोने-कोने से आने वाले भक्तों का तांता लगा रहता है। माना जाता है कि लालबागचा के राजा यानी नौ साझा गणपति का एक बार दर्शन भर कर लेने से मनोकामना पूरी हो जाती है। इसलिए मुंबई के लालबाग इलाके में स्थापित गणेश प्रतिमा के इस पूरे उत्सव के दौरान करोड़ों भक्त दर्शन करते हैं। लालबाग के बाद मुंबई में गिर गांव चौपाटी और केतवाड़ी, सिद्धिविनायक मंदिर में स्थापित होने वाले गणेश पंडाल सबसे ज्यादा भव्य होते हैं, जहां हर दिन गणपति के दर्शन के लिए लाखों भक्त आते हैं।

मुंबई के बाद कुछ विशेष गणेश पंडालों के आकर्षण का यह जलवा पुणे शहर में भी दिखता है। विशेषकर यहां दगडु सेठ हलवाई गणपति टेंपल और तुलसी बाग गणपति का जिक्र होता है। पूरे महाराष्ट्र भर से ही नहीं देश के विभिन्न स्थानों से भी इन पंडालों में गणेश प्रतिमाओं का दर्शन करने लोग आते हैं। *

गजल

अवतार सिंह अक्षरजीवी

जितना लिखा था नसीब में उतना मिल गया
थोड़ा रह गया प्यार थोड़ा मिल गया
जिंदगी के पहाड़ पर चढ़ते-चढ़ते मुझे
कभी सहारा मिला कभी धक्का मिल गया
सुख-दुख का मुझसे हिसाब नहीं होता
कितना नहीं मिला कितना मिल गया
मुझे हर इंसान, इंसान जैसा ही मिला
पहले भरोसा मिला फिर धोखा मिल गया
मैंने खुद को सोचने की छूट ज्यादा क्या दी
मुझे डर और चिंताओं का काफिला मिल गया
कभी ऐसा सोऊं कि फिर जागूं ही नहीं मैं
अंधेरा कट जाए लगे कि सवेरा मिल गया

लघुकथाएं

एक अकेला

सेवानिवृत्त अध्यापक आत्माराम जी हर मौसम में अपने साथ छाता लिए बिना घर से बाहर नहीं निकलते। छाता और आत्माराम मानो एक-दूसरे के पूरक बन चुके हैं। पीठ पीछे कुछ लोग उन्हें छाताराम, छतरीवाला, अंब्रेला मैन कह कर हंसी उड़ाते हैं। आत्माराम जी के घनिष्ठ मित्र चतुरमल ने उन्हें एक बार समझाने की कोशिश की तो वह बोले, 'देखो भाई, लोगों द्वारा पीठ पीछे खिल्ली उड़ाने के कारण मैं अपनी सेहत से समझौता नहीं कर सकता। धूप में बिना छाते के चलने पर त्वचा झुलस जाती है, लू लगने का खतरा रहता है। बारिश के मौसम में भीगकर सर्दी-जुकाम होने का डर रहता है। लोगों की परवाह किए बिना अपनी पसंद की वेशभूषा पहनना, घूमना-फिरना और रहना चाहिए।' आत्माराम की बात के आगे चतुरमल चुप रह गए।

आत्माराम जी को एक विवाह समारोह में शामिल होना था। उन्होंने नए कपड़े पहने। छाता लेकर घर से निकलने लगे तो

पत्नी शांति ने उन्हें टोका, 'नए कपड़े के साथ पुराना छाता टाट में पैबंद लग रहा है। अभी तो पानी भी नहीं बरस रहा है। काहे छाता लेकर जा रहे हो?'

'आजकल बारिश का कोई भरोसा नहीं होता है। नवंबर, दिसंबर और मार्च, अप्रैल में भी पानी गिरते देखा है। अभी तो अगस्त का महीना है।' आत्माराम ने पत्नी को जवाब दिया और प्रतिक्रिया जाने बिना घर से निकल गए।

आत्माराम जी को विवाह समारोह में पीठ पीछे यूं छाता लटकाए देखकर कुछ लोग मुस्कुराए। कइयों ने अपनी हंसी को मुश्किल से रोका। आत्माराम सभी से आत्मीयता से मिले। वर-वधु को आशीर्वाद दिया। भोजन किया। इतने में बारिश होने लगी। जो लोग कार में आए थे, वे सब निश्चिंत दिखे। बाकी लोगों के पास बरसात थमने की प्रतीक्षा करने के अलावा कोई विकल्प नहीं था। आत्माराम ने अपना छाता खोला और बेफिक्र होकर अपने घर की ओर चल पड़े। वो लोग जो, अभी कुछ देर पहले उन पर हंस रहे थे, उन्हें देखते रह गए। *

-अशोक वाधवाणी

नाक का सवाल!

आज गुप्ता परिवार में विवाह की पचासवीं वर्षगांठ मनाने की तैयारी थी। इस अवसर पर लगभग सभी रिश्तेदारों को बुलाया गया।

'बड़े भैया नहीं आए अभी तक... काफी देर हो चुकी है।' गुप्ता जी ने अपनी पत्नी से कहा।

'आ जाएंगे... थोड़ा और इंतजार कर लीजिए।' पत्नी ने जवाब दिया।

उसी समय बड़े भैया ने समारोह स्थल पर पैर रखे। नशे में चूर, उनके कदम लड़खड़ा रहे थे।

'भैया आपने शराब पी रखी है, आपने तो जीवन में कभी शराब को छुआ तक नहीं... और आज...!' गुप्ता जी ने उन्हें संभालते हुए पूछा।

'अरे तुमने मेरा दिल जलाया है.. दिल... नाक कटवा दी मेरी... जब मैंने अपने विवाह की पचासवीं वर्षगांठ नहीं मनाई तो तुमने क्यों मनाई... मुझे नीचा दिखाने के लिए। लोग क्या कहेंगे कि बड़ा भाई कंजूस.. मक्खीचूस निकला।' बड़े भैया ने लड़खड़ाती आवाज में जवाब दिया।

'अरे भैया न दिल जलाया आपका और न ही नाक कटी आपकी। बल्कि आपकी नाक रख ली मैंने। आज आपकी ही तो शादी की सालगिरह है। वहां देखिए, भाभी जी बन-संवर के आपकी प्रतीक्षा कर रही हैं।' गुप्ता जी ने स्टेज की तरफ इशारा किया। बड़े भैया ने जैसे ही स्टेज पर अपनी पत्नी को देखा, उनका नशा छू-मंतर हो गया। उनके मुंह से निकला, 'भाई हो तो ऐसा...!' *

-गोविंद भारद्वाज

पुस्तक चर्चा / विज्ञान भूषण

दिल्ली मेट्रो की कहानी

दिल्ली-एनसीआर में रहने वाले लोग ही नहीं, देश-विदेश से यहां आने वाले लोग भी दिल्ली मेट्रो में सफर करने पर इसकी तारीफ किए बिना नहीं रह पाते हैं। वास्तव में पिछले लगभग तेईस वर्षों से दिल्ली मेट्रो, यहां की लाइफलाइन की भूमिका बखूबी निभा रही है। इसकी परिकल्पना, इसकी शुरुआत, इसकी विशेषतओं और फिर निरंतर इसके होते विस्तार की यात्रा-कथा को आंकड़ों, चित्रों और विवरणों के जरिए ऋषिराज ने बहुत सलीके से 'दिल्ली की जीवनरेखाः दिल्ली मेट्रो' पुस्तक में संजोया है। मेट्रो मैन के नाम से विख्यात दिल्ली मेट्रो के कर्णधार ई. श्रीधरन की उपलब्धियों और उनकी कार्यकुशलता के बारे में भी पुस्तक में एक अध्याय है। इसके अलावा लंदन मेट्रो, पेरिस मेट्रो, टोरंटो मेट्रो और न्यूयॉर्क मेट्रो जैसी विदेशी मेट्रो सेवाओं से दिल्ली मेट्रो का तुलनात्मक विवरण भी दिलचस्प है। इस किताब में दिल्ली मेट्रो के आय के स्रोत, इसकी पर्यावरणीय संवेदनशीलता और इसके बारे में अति विशिष्ट लोगों के अनुभवों को भी अलग-अलग अध्यायों में संकलित किया गया है। डीएमआरसी में एजीएम (ऑपरेशंस) के पद पर कार्यरत लेखक ने अपने कार्यक्षेत्र से जुड़ी कुछ मधुर स्मृतियों को भी रोचक शैली में पुस्तक में दर्ज किया है। *

पुस्तकः दिल्ली की जीवनरेखाः दिल्ली मेट्रो,
लेखकः ऋषि राज, **मूल्यः** 460 रुपए,
प्रकाशकः नेशनल बुक ट्रस्ट, भारत

हाल में ही भारत (इसरो) और अमेरिका (नासा) के संयुक्त प्रयास से निर्मित हाईटेक स्पेस राडार सिस्टम-निसार को अंतरिक्ष में भेजा गया। यह पावरफुल सिस्टम धरती के हर हिस्से की बारीकी से तस्वीर लेने में सक्षम है। कैसे भेजा गया निसार, कैसे करेगा यह अपना काम और क्या हैं इसकी विशेषताएं, इस बारे में विस्तार से जानिए।

उपलब्धि / शिखर चंद जैन

अंतरिक्ष से धरती पर रखेगा नजर
नया स्पेस राडार निसार

निसार राडार, अंतरिक्ष विज्ञान की नवीनतम उपलब्धि है। यह अंतरिक्ष से हमारी पृथ्वी पर कुछ ऐसे ही नजर रखता है मानो कोई सीसीटीवी कैमरा 24 घंटे निगरानी रख रहा हो।

क्या है निसार राडार: यह एक सुपर उपग्रह है, जो दिन-रात, हर मौसम में हमारी पृथ्वी की तस्वीरें लेगा और हमें बताएगा कि हमारा ग्रह कैसे बदल रहा है। इसका पूरा नाम नासा-इसरो सिंथेटिक अपर्चर राडार (निसार) है। इसे भारत की अंतरिक्ष एजेंसी इसरो और अमेरिका की अंतरिक्ष एजेंसी नासा ने मिलकर बनाया है। यह एक अंतरिक्ष यान जैसा है, जो पृथ्वी के चारों ओर चक्कर लगाएगा और हमारी धरती की तस्वीरें लेगा। लेकिन ये तस्वीरें कोई साधारण फोटोग्राफ नहीं होंगी। निसार एक खास तकनीक, जिसे सिंथेटिक अपर्चर राडार कहते हैं, का इस्तेमाल करता है। यह तकनीक इतनी शक्तिशाली है कि यह बादलों, बारिश, रात या दिन हर समय पृथ्वी की सतह की साफ-साफ तस्वीरें ले सकती है। यह उपग्रह हर 12 दिन में पूरी पृथ्वी को स्कैन करेगा और हमें ऐसी जानकारी देगा, जो पहले कभी इतने विस्तार से नहीं मिलती थी।

कैसे शुरू हुआ मिशन: अंतरिक्ष विज्ञान की दुनिया में निसार मिशन भारत और अमेरिका की वैज्ञानिक उपलब्धियों का एक शानदार उदाहरण है। इसरो और नासा ने 2014 में इस मिशन के लिए साझा काम शुरू किया था। दोनों ने मिलकर इस उपग्रह को डिजाइन किया, जिसमें दोनों देशों की तकनीकी ताकत का इस्तेमाल हुआ है। नासा ने इसमें एल-बैंड राडार, एक बड़ा 12 मीटर का एंटीना, जीपीएस रिसीवर और डेटा रिकॉर्ड करने के लिए सॉलिड-स्टेट रिकॉर्डर लगाया है। इसरो ने एस-बैंड राडार, अंतरिक्ष यान का मुख्य ढांचा (सैटेलाइट बस) और इसे अंतरिक्ष में भेजने के लिए जीएसएलवी-एफ 16 रॉकेट दिया। यह उपग्रह 2,392 किलोग्राम वजनी है, यानी यह एक छोटी कार जितना भारी है। इसे 30 जुलाई 2025 को आंध्र प्रदेश के श्रीहरिकोटा में सतीश धवन अंतरिक्ष केंद्र से अंतरिक्ष में भेजा गया।

निसार की विशेषताएं: निसार दूसरे उपग्रहों या राडारों से कई मामलों में अलग और विशिष्ट है। इसमें दो तरह के राडार हैं- एल-बैंड और एस-बैंड। ये दोनों मिलकर बहुत सटीक तस्वीरें लेते हैं। एल-बैंड लंबी तरंगों (24 सेंटीमीटर) का इस्तेमाल करता है, जो जंगलों और मिट्टी के अंदर तक देख सकता है। एस-बैंड छोटी तरंगों (12 सेंटीमीटर) का इस्तेमाल करता है, जो सतह की बारीक जानकारी देता है। यह हर मौसम में काम करने में सक्षम है। अंधेरा हो या उजाला, बारिश हो या धुंध, निसार हमेशा काम करता है, क्योंकि यह राडार तकनीक का इस्तेमाल करता है, न कि कैमरे का। इसका बड़ा एंटीना इसकी विशेषता है। निसार का 12 मीटर लंबा एंटीना सोने की परत वाली जाली से बना है। यह एक बड़े छाते जैसा लगता है। निसार हर 12 दिन में पूरी पृथ्वी का नक्शा बनाएगा और 242 किलोमीटर चौड़े क्षेत्र को स्कैन करेगा। यह सेंटीमीटर स्तर की सटीकता से बदलावों को देख सकता है। निसार से मिलने वाली जानकारी पूरी दुनिया के वैज्ञानिकों और शोधकर्ताओं के लिए मुफ्त उपलब्ध होगी।

निसार कैसे काम करता है: आप जरूर जानना चाहेंगे कि यह उपग्रह इतनी सटीक तस्वीरें कैसे खींच लेता है? दरअसल, यह राडार सिग्नल पृथ्वी की सतह की ओर भेजता है। ये तरंगें सतह से टकराकर वापस इसके पास पहुंचती हैं। वापस आने वाली तरंगों को निसार का एंटीना पकड़ता है। इससे यह पता चलता है कि सतह कैसी है- चट्टान, पानी, बर्फ या जंगल। इन सिग्नलों को कंप्यूटर की मदद से तस्वीरों में बदला जाता है। ये तस्वीरें इतनी साफ होती हैं कि छोटे-छोटे बदलाव भी दिख जाते हैं, जैसे कि एक पहाड़ का हल्का-सा खिसकना। फिर निसार अपने डेटा को पृथ्वी पर मौजूद स्टेशनों को भेजता है, जहां वैज्ञानिक इसे अध्ययन करते हैं।

निसार की जिम्मेदारी: निसार एक सुपर स्मार्ट उपग्रह है, जो पृथ्वी की सतह को बहुत ध्यान से देखता है। यह हमें बताएगा कि हमारी धरती में क्या-क्या बदलाव हो रहे हैं? इसके मुख्य दायित्वों होंगे-

प्राकृतिक घटनाओं पर नजर: निसार भूकंप, सुनामी, ज्वालामुखी विस्फोट और भूस्खलन जैसी प्राकृतिक आपदाओं को समझने में मदद करेगा। यह हमें पहले से चेतावनी दे सकता है, ताकि लोग सुरक्षित रहें। यह उपग्रह ग्लेशियरों के पिघलने, समुद्र के स्तर में बढ़ोतरी और जंगलों में बदलाव को देखेगा। इससे हमें यह समझने में मदद मिलेगी कि हमारी धरती जलवायु परिवर्तन से कैसे प्रभावित हो रही है।

कृषि और जंगल की निगरानी: निसार मिट्टी की नमी, फसलों की स्थिति और जंगलों की कटाई की जानकारी देगा। यह किसानों को बेहतर खेती करने में मदद करेगा।

महासागरों और बर्फ की निगरानी: यह समुद्र में बर्फ, तूफान और जहाजों की गतिविधियों पर नजर रखेगा। साथ ही यह शहरों के विकास और सड़कों, पुलों जैसी संरचनाओं की स्थिति को भी देखेगा।

कब तक काम करेगा निसार: निसार को कम से कम तीन साल तक काम करने के लिए डिजाइन किया गया है। हालांकि उपग्रह में उपयोग होने वाली सामग्री को 5 वर्ष तक चलने के लिए डिजाइन किया गया है। इसका मतलब है कि प्राथमिक मिशन 3 साल तक चलेगा, लेकिन यदि आवश्यक हो तो इसे अतिरिक्त समय तक संचालित किया जा सकता है। यह पृथ्वी से 743 किलोमीटर ऊपर सूर्य-समकालिक कक्षा में चक्कर लगाएगा। इस कक्षा में यह हमेशा सूरज की रोशनी में रहेगा, जिससे इसे ऊर्जा मिलती रहेगी। इसका डेटा भारत और अमेरिका के वैज्ञानिकों के साथ-साथ पूरी दुनिया के साथ साझा किया जाएगा। *

अंतरिक्ष राडार का इतिहास

राडार का आविष्कार द्वितीय विश्व युद्ध के दौरान हुआ था। मुख्य रूप से रॉबर्ट वाटसन को इसका श्रेय दिया जाता है। यह तकनीक रेडियो तरंगों का उपयोग करके वस्तुओं की दूरी, गति और दिशा का पता लगाने के लिए विकसित की गई थी।

शुरुआत में, राडार का उपयोग सैन्य उद्देश्यों के लिए किया गया, जैसे कि दुश्मन के विमानों का पता लगाना। राडार सिस्टम का उपयोग अंतरिक्ष यानों की स्थिति, गति और कक्षा को मॉनिटर करने के लिए किया गया।

पहचानें अपनी कमजोरियां
आत्मविश्वास से बढ़ें आगे

मनचाही सफलता पाने के लिए सबसे जरूरी गुण है आत्मविश्वास। और आत्मविश्वास तभी मजबूत होता है, जब आप अपनी कमजोरियों को स्वीकार करते हुए उन्हें दूर करने का प्रयास करते हैं। इस बारे में यूजफुल सजेशंस।

सेल्फ इंप्रूवमेंट / अंजू जैन

इस दुनिया में कुछ भी ऐसा नहीं है, जो संपूर्ण हो। चल-अचल, सजीव-निर्जीव हर रचना में कोई न कोई खामी है और किसी न किसी मायने में हर वस्तु, व्यक्ति, जीव और परिस्थिति अधूरी या कमजोर है। फिर ऐसा कैसे हो सकता है कि हमारे व्यक्तित्व, कार्यक्षमता, बौद्धिक-शारीरिक क्षमता या स्वभाव में कोई कमी न हो? इसलिए हमें अपनी कमजोरियों को लेकर विचलित, दुःखी या निराश होने की बजाय इनको पहचानना चाहिए और इनके प्रति सहज रहते हुए पूरे आत्मविश्वास के साथ आगे की कार्ययोजना बनानी चाहिए।

अपने डर के साथ आगे बढ़ें: आत्मविश्वासी बनने के बारे में सबसे गलत धारणा यह है कि इसका मतलब है निडर होकर जीना जबकि आत्मविश्वास की वास्तविक परिभाषा इसके बिल्कुल विपरीत है। इसका मतलब है, हम हमारे लिए महत्वपूर्ण और मायने रखने वाले कामों को करते समय अपने भीतर की कमजोरियों और डर के साथ आगे बढ़ने को तैयार हैं। किसी बात को लेकर जब हमारे भीतर संशय हो और फिर भी हम आगे बढ़ने को तैयार हों तो इससे हमारा आत्मविश्वास बढ़ता है लेकिन अगर हम केवल वही काम करेंगे, जिसके बारे में हम आश्वस्त हैं तो हमारा आत्मविश्वास कभी पूर्व स्तर से आगे नहीं बढ़ सकता।

डर को हावी न होने दें: परिस्थितियों को अपने ऊपर हावी मत होने दें। दूसरा कोई नहीं, केवल आप खुद ही अपनी परिस्थितियों को बदल सकते हैं। हाल ही में फेमस एक्टर डायरेक्टर जैकी चान कहते हैं, 'जिंदगी हमें हराएगी लेकिन उससे मुकाबला करना जरूरी है।' फारसी कवि मौलाना मोहम्मद जलालुद्दीन रूमी ने कहा है, 'अपने जीवन के बेहद खराब दौर में हार ना मानें, क्योंकि यही से आपकी राह बदलेगी।' आपकी पीड़ाएं और कमजोरियां कुछ कहने की कोशिश करती हैं, इनको समझने की कोशिश करें। महत्वपूर्ण यह है कि आप इनकी आवाज को कितना समझते हैं और उस पर कितनी और कैसी प्रतिक्रिया देते हैं?

कमजोरी से दोस्ती करें: हमें यह पहचानना चाहिए कि हमारा डर हमें अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने में किस तरह से मदद कर सकता है? चर्चित पुस्तक 'व्हाई हैज नोबडी टोल्ड मी दिस बिफोर' में डॉ. जूली स्मिथ ने इस संदर्भ में बहुत गहरी बात कही है। उन्होंने लिखा है, 'आत्मविश्वास बढ़ाने के लिए यह बेहद जरूरी है कि हम अपनी कमजोरी से दोस्ती करें, क्योंकि यह कुछ समय के लिए आत्मविश्वास के बिना रहने का एकमात्र तरीका है।' आत्मविश्वास तभी बढ़ सकता है, जब हम इसके बिना रहने को तैयार होंगे, जब हम डर के साए में कदम रख सकें। यही साहस हमारे आत्मविश्वास को जमीन से ऊपर उठाता है। साहस पहले आता है, आत्मविश्वास उसके बाद।

लोगों को न बताएं कमजोरियां: आपकी कमजोरियां आपकी टॉप सीक्रेट लिस्ट में होनी चाहिए। व्यवहार विशेषज्ञ कहते हैं, लोगों से अपनी तकलीफें और कमजोरी बताने की आदत ना डालें। किसी से ऐसा ना कहें कि आप बीमार रहते हैं और भीतर से टूट चुके हैं। ना ही किसी से अपनी विपरीत परिस्थितियों का जिक्र करें। अपने पुराने दुखों और संघर्षों की वजह से खुद को उदास और चिड़चिड़ा ना बनाएं। पुस्तक 'नो युअर हिडेन पोटेंशियल' में कहा गया है, कई लोग जानते ही नहीं कि वे बेचैन क्यों हैं? अपनी इच्छाओं और कमजोरी को पहचानना शुरू करेंगे तो अपनी ऊर्जा का बेहतर इस्तेमाल कर पाएंगे।'

व्यक्तित्व के हर पहलू को समझें: खुद को वैसे ही स्वीकार करें, जैसे आप हैं। अपने साथ प्रेमपूर्वक व्यवहार करें, जैसा कि आप दूसरों के साथ करते हैं। 'एक्नॉलेज द टोटेलिटी ऑफ योर बीइंग' में समझाया गया है कि आप अपने हर पहलू को स्वीकार करना सीखें। इससे आप खुद के प्रति नरम और सकारात्मक हो जाते हैं। जब हम अपनी नकारात्मक भावनाओं और कमजोरी को कोई अनहोनी बड़ी बात या डरने वाली बात मानना बंद कर देते हैं तो ये चीजें आपको ज्यादा निराश नहीं करतीं। इन्हीं के साथ अपनी शक्तियां और कमजोरियां भी नोट करें। *

अवेयरनेस / प्रभाकांत कश्यप

अगर आप किसी भी सोशल मीडिया या एप का यूज करते हैं तो आपको इससे जुड़े नियम-कानून के बारे में जानकारी जरूर रखनी चाहिए। इससे आप कई मुसीबतों से बचे रहेंगे।

इन नियमों को जरूर जानें
सोशल मीडिया यूजर्स

हालांकि 'डिजिटल पर्सनल डेटा प्रोटेक्शन एक्ट-2023' को 11 अगस्त 2023 को राष्ट्रपति की मंजूरी मिल गई थी, इसी के साथ यह औपचारिक रूप से कानून बन गया था। लेकिन इस साल 2025 में इसके नियम और क्रियान्वयन तेजी से लागू हो रहे हैं। इसलिए सोशल मीडिया यूज करने वाले हर भारतीय को इसकी जानकारी होना बेहद जरूरी है।

क्या है यह कानून: डिजिटल पर्सनल डेटा प्रोटेक्शन कानून, 2023 भारत सरकार द्वारा बनाया गया एक कानून है, जो आपके निजी डेटा की सुरक्षा करता है, जैसे कि- आपका नाम, फोटो, मोबाइल नंबर, आधार नंबर, पैन कार्ड, हेल्थ रिपोर्ट, स्कूल/कॉलेज रिकॉर्ड, आपकी लोकेशन, बैंकिंग जानकारी और जो कुछ भी आपकी पहचान से जुड़ा है।

क्यों जरूरी है इसे जानना: भारत में आज लगभग हर व्यक्ति मोबाइल, एप्स, सोशल मीडिया, बैंकिंग और सरकारी सेवाओं में अपना निजी डेटा ऑनलाइन शेयर करता है- जैसे आधार संख्या, मोबाइल नंबर, लोकेशन डेटा, बैंक डिटेल्स, हेल्थ और एजुकेशन से जुड़ी जानकारी, फेशियल और बायोमैट्रिक डेटा आदि। इस कानून का मकसद है कि आपका डेटा सुरक्षित रहे और कोई भी कंपनी या संस्था उसे आपकी अनुमति के बिना इस्तेमाल न कर सके।

इस कानून की मुख्य बातें: इस कानून में कई प्रावधान किए गए हैं। जैसे- यह कानून भारतीय नागरिकों की डिजिटल सुरक्षा को प्राथमिकता देता है। आपकी अनुमति के बिना कोई भी आपका निजी डेटा नहीं ले सकता। आप किसी कंपनी से कह सकते हैं कि वो आपका डेटा डिलीट करे। जो कंपनी या संस्था आपका डेटा लेती है, वह इसके लिए जिम्मेदार होगी। 18 साल से कम उम्र वालों का डेटा और भी कड़ी निगरानी में रहेगा। कानून पालन न करने पर कंपनियों पर 250 करोड़ रुपए तक का जुर्माना हो सकता है। सरकार कंपनियों की डेटा प्रोसेसिंग भी बंद कर सकती है।

आम आदमी के लिए क्या मायने: इस कानून के जरिए अब आप जान सकते हैं कि कौन सी एप, बैंक या वेबसाइट आपका डेटा कैसे और क्यों इस्तेमाल कर रही है? आप अपना डेटा डिलीट करवाने या ट्रांसफर करने की मांग कर सकते हैं। आप सरकार या कंपनी से सवाल पूछ सकते हैं कि उन्होंने आपकी जानकारी कैसे ली और क्या किया?

इस कानून का मकसद: आपका निजी डेटा अब आपकी मर्जी के बिना, न कोई एप इस्तेमाल कर सकता है, न कोई वेबसाइट इसे सेव कर सकती है, न ही किसी कंपनी को बेचा जा सकता है।

आपको क्या अधिकार मिलते हैं: कोई भी एप/साइट आपके डेटा का इस्तेमाल आपकी इजाजत से ही कर सकती है। आप किसी भी कंपनी से अपना डेटा डिलीट करने को कह सकते हैं। अगर आपकी जानकारी गलत है, तो आप उसे ठीक करने की मांग कर सकते हैं। आप साफ मना कर सकते हैं कि आपका डेटा किसी और काम में इस्तेमाल न किया जाए।

इसलिए है जरूरी: अगर आप यह कानून नहीं जानते तो आपको कई तरह के नुकसान हो सकते हैं। आपका डेटा चोरी हो सकता है। आपकी बिना इजाजत कोई एप, आपकी लोकेशन, फोटो या कॉल लिस्ट चुरा सकता है। फ्रॉड कॉल/मैसेज बढ़ सकते हैं आपका नंबर बेचा जा सकता है, जिससे ठग आपको निशाना बना सकते हैं। बैंक फ्रॉड हो सकता है। आपकी निजी डेटा वायरल होने से शर्मिंदगी और तनाव हो सकता है।

आप क्या कर सकते हैं: कोई एप इंस्टॉल करने से पहले अनुमति जांचें। वेबसाइट पर 'प्राइवेसी पॉलिसी' पढ़ें। अपने डेटा के इस्तेमाल की जानकारी मांगें। अगर आपका डेटा गलत तरीके से इस्तेमाल हुआ है, तो डाटा प्रोटेक्शन बोर्ड में शिकायत करें। *

नदी गाथा / वीना गौतम

पारिस्थितिकी-जनजीवन के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है महानदी

दक्षिण से पूर्व की ओर बहने वाली महानदी, गोदावरी और कृष्णा की तरह ही देश की एक महत्वपूर्ण नदी है। जलप्रवाह की दृष्टि से यह भारत की दसवीं सबसे बड़ी नदी है और नदी घाटी क्षेत्रफल के अनुसार इसका स्थान छठवां है। यह देश की छठवीं सबसे बड़ी नदी घाटी है।

कृषि के लिए अत्यंत उपयोगी: इसकी लंबाई 858 किलोमीटर है और इसकी मुख्य सहायक नदियों में शिवनाथ, हसदेव, तेल, जोंक और मांड नदियां हैं। महानदी ओडिशा में एक विशाल डेल्टा बनाती है, जो कृषि के लिए अत्यंत उपजाऊ क्षेत्र है। इसका कुल जलग्रहण क्षेत्र 1,41,600 वर्ग किलोमीटर है। यह 53 फीसदी जलग्रहण छत्तीसगढ़ राज्य से करती है, जबकि 46 फीसदी जलग्रहण ओडिशा से करती है। शेष 1 प्रतिशत जलग्रहण क्षेत्र में महाराष्ट्र, झारखंड और आंध्र प्रदेश के विभिन्न हिस्से आते हैं। महानदी के जरिए छत्तीसगढ़ और उड़ीसा में लाखों हेक्टेयर भूमि की सिंचाई होती है और इसी नदी के जल से भिलाई के इस्पात संयंत्र के लिए पानी मिलता है और शहर के लिए पेय जल भी। 1957 में जब इस नदी पर सबसे बड़ा मिट्टी का बांध हीराकुंड बना, उसके बाद से इसकी बाढ़ भयावहता कम हुई है।

पर्यावरण के लिए महत्वपूर्ण: जहां तक महानदी की जैव विविधता का सवाल है तो महानदी का बेसिन अनेक जलजीव, पक्षी और पौधों की प्रजातियों के लिए जाना जाता है। विशेषकर ओडिशा में चिल्का झील इसकी महत्वपूर्ण जैव विविधतापूर्ण जलराशि है। महानदी अपनी आर्द्रभूमि और मैंग्रोव वनों के लिए भी जानी जाती है, जो कि कार्बन सिंक और जैव विविधता संरक्षण में अत्यंत सहायक हैं। महानदी के डेल्टा में बड़े पैमाने पर मछली पालन होता है। इस तरह यह ओडिशा के लिए एक बहुत बड़ा आर्थिक स्रोत है। महानदी में बना हीराकुंड बांध जलविद्युत और बाढ़ नियंत्रण में अत्यंत महत्वपूर्ण साबित हुआ है। महानदी अभी बहुत कम प्रदूषित है, इस वजह से भी इसका पारिस्थितिकीय महत्व अन्य बड़ी नदियों से बढ़कर है। *

स्मरण / मनोज प्रकाश

जब भी दिल को छू लेने वाले कर्णप्रिय या भावनाओं से भरे दर्द भरे गीतों का जिक्र आता है, तो याद आते हैं बॉलीवुड के बीते सुनहरे दौर के लाजवाब गायक मुकेश। मुकेश की पुण्यतिथि (27 अगस्त) पर उनके गाए गीतों को याद कर रहे हैं लेखक।

सिर्फ दर्द भरे नहीं हर मूड के गीत गाने में बेमिसाल थे मुकेश

बॉलीवुड की गीत-संगीत की गंगा में जिन नामों की धाराएं बहती हैं, उनमें गायक के रूप में मोहम्मद रफी, किशोर कुमार और मुकेश सबसे विशिष्ट और लोकप्रिय माने जाते हैं। इनमें से मुकेश के गाने का अंदाज बहुत अनोखा और सीधे रूह को स्पर्श कर लेता है। उनके गाए सदाबहार गीत आज भी लोगों को पसंद आते हैं। मुकेश की आवाज तो कुछ एक्टर्स की पहचान से जुड़ गई थी तभी तो खुद राजकपूर ने मुकेश के निधन पर कहा था, 'मैंने आज अपनी आवाज को खो दिया है।'

प्रारंभिक जीवन: 22 जुलाई 1923 को दिल्ली में जन्मे मुकेश का पूरा नाम मुकेश चंद माथुर था। मुकेश ने दसवीं तक की औपचारिक शिक्षा ली। कुछ समय तक उन्होंने पीडब्ल्यूडी में काम किया। मुकेश का रुझान शुरुआत से ही गीत-संगीत की तरफ था। उन्होंने गायन के क्षेत्र में भी प्रयास आरंभ किया। शुरुआती संघर्षों के बाद मुकेश बॉलीवुड के सफलतम गायकों में से एक के रूप में गिने जाने लगे।

मुकेश को अपनी आवाज मानते थे राज कपूर

के. एल. सहगल से होती थी तुलना: कहते हैं, मुकेश की आवाज में कई बार लोग के.एल. सहगल की आवाज को तलाशते थे। दरअसल, मुकेश की गायनशैली काफी हद तक उनसे मिलती थी। मुकेश ने कुछ ऐसे गीत भी गाए हैं, जिनमें वही दर्द है, जो के.एल. सहगल के गाए गीतों में महसूस होता है।

दर्द भरे गीतों के आइकॉन: मुकेश के गाए गीतों में एक ऐसी कशिश होती है, जो हर किसी को उसे सुनने के लिए अपनी ओर खींच लेती है। मुकेश को खासकर दर्द भरे गीतों का आइकॉनिक सिंगर माना जाता है। दर्द भरे गीतों को गाने में उनकी आवाज में वास्तविक दर्द छलकता महसूस होता है।

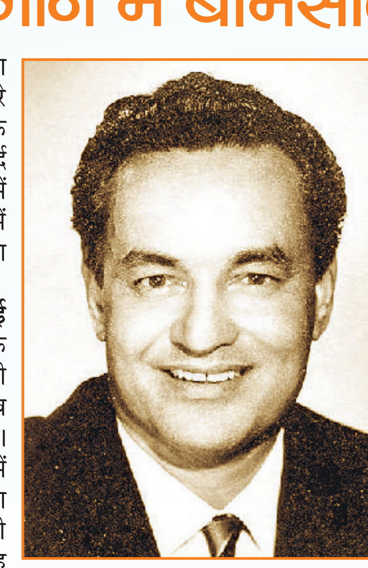

देश-विदेश में पाई लोकप्रियता: मुकेश के गाए गीतों को देश में ही नहीं विदेशों में भी खूब लोकप्रियता मिली। 'आवारा हूं या गर्दिश में हूं, आसमान का तारा हूं।' राज कपूर की फिल्म 'आवारा' का यह गीत भारत में ही नहीं तत्कालीन सोवियत संघ में भी खासा लोकप्रिय हुआ था। मुकेश का गाया गीत 'मेरा जूता है जापानी' महफिलों-पार्टियों की शान हुआ करता था। उस दौर के अनेक यंगस्टर्स अपनी पार्टियों में मस्ती के मूड में इस गीत को कोरस में गाया करते थे।

हर तरह के गीत गाए: मुकेश को आमतौर पर लोग उनके दर्द भरे गीतो के लिए जानते हैं। लेकिन यह मुकेश की वर्सेटाइल सिंगिंग एबिलिटी का एक हिस्सा मात्र था। हकीकत तो यह है कि मुकेश ने हर मूड, हर सिचुएशन के लिए कमाल के गाने गाए हैं। 'कभी-कभी मेरे दिल में ख्याल आता है', 'कहीं दूर जब दिन ढल जाए', 'सुहाना सफर और ये मौसम हसीं', 'मैं पल दो पल का शायर हूं', 'जाने कहां गए वो दिन', 'किसी की मुस्कुराहटों पे हो निसार', 'जीना यहां मरना यहां, इसके सिवा जाना कहां', 'कहता है जोकर सारा जमाना, आधी हकीकत आधा फसाना', 'मैंने तेरे लिए ही सात रंग के', 'इक दिन बिक जाएगा माटी के मोल' जैसे गीतों में मुकेश की गायकी के अलग-अलग आयाम देखे जा सकते हैं। पर्वों को खुशनुमा बनाने के लिए भी मुकेश ने कई गीत गाए हैं। 'ये राखी बंधन है ऐसा' उन्होंने लता मंगेशकर के साथ गाया। यह गीत आज भी रक्षाबंधन के अवसर पर खूब सुना जाता है।

टॉप सितारों को दी आवाज: मुकेश को भले ही मुख्य रूप से 'राजकपूर की आवाज' के तौर पर जाना जाता रहा है, लेकिन मुकेश ने अपने दौर के लगभग सभी टॉप अभिनेताओं के लिए गाने गाए। राजकपूर के साथ-साथ मुकेश ने मनोज कुमार, दिलीप कुमार, राजेश खन्ना, राजेंद्र कुमार, अमिताभ बच्चन, सुनील दत्त आदि के लिए भी एक से एक मधुर गीतों का इंद्रधनुष बिखेरा। फिल्म 'हिमालय की गोद में' मनोज कुमार पर फिल्माया उनका गीत 'चांद सी महबूबा हो मेरी, कब ऐसा मैंने सोचा था', आज भी नई जेनरेशन के लवर्स गाते-गुनगुनाते हैं। फिल्म 'कटी पतंग' में राजेश खन्ना पर फिल्माया गीत 'जिस गली में तेरा घर न हो बालमा, उस गली से हमें तो गुजरना नहीं', आज भी लोकप्रिय है। लोकधुन से सजा मुकेश की सुरीली आवाज में फिल्म 'मिलन' का लोकप्रिय-कर्णप्रिय गीत 'सावन का महीना पवन करे सोर' सुनील दत्त पर फिल्माया गया। 'रात और दिन' में प्रदीप कुमार के लिए मुकेश ने 'रात और दिन दीया जले, मेरे मन में फिर भी अंधियारा है' गाया था।

चला गया बेमिसाल गायक: मुकेश, किशोर कुमार की तरह भले ही खिलंदड़ स्टाइल में नहीं गाते थे पर वह हल्के, रोमांटिक, भावपूर्ण तथा सहजता से भरे स्वर से जब किसी गीत को लय में पेश करते थे, तो श्रोताओं की सांसें थम जाती थीं और उनकी आवाज के साथ श्रोता खुद को मिलाने का प्रयास करने लगते थे।

फिल्म 'मिलन' के सीन में सुनील दत्त-नूतन

वर्ष 1976 में मुकेश जब मिशिगन (यूएस) में एक प्रोग्राम देने गए थे तो उन्हें वहीं पर हार्ट अटैक हुआ और उनकी सांसें, 27 अगस्त 1976 को थम गईं। आज मुकेश स्मृति शेष जरूर हैं पर उनके गाए गीत दुनिया की फिजाओं में यही कह रहे हैं- 'जीना यहां-मरना यहां इसके सिवा जाना कहां..' *